धनबाद, सोमवार
20 जुलाई 2026
वर्ष : 03 अंक : 290
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रुथ पथ

ब्रीफ न्यूज

उत्तराखंड में भारी बारिश का रेड अलर्ट, अगले चार दिन खास सतर्कता की जरूरत

देहरादून, (एजेंसी) : राज्य के नैनीताल, चम्पावत और ऊधमसिंह नगर जिलों में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी और कहीं-कहीं अत्यंत भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया गया है। देहरादून, टिहरी, पौड़ी, हरिद्वार और बागेश्वर में भारी से बहुत भारी वर्षा और उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। कई जिलों में गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका व्यक्त की गई है।मौसम विभाग के अनुसार 20 जुलाई को देहरादून, हरिद्वार और टिहरी जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि 21 और 22 जुलाई को भी विभिन्न जनपदों में ऑरेंज और येलो अलर्ट प्रभावी रहेगा।मौसम चेतावनी के मद्देनजर संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी, जिला आपदा परिचालन केंद्रों को 24 घंटे सक्रिय रखने, राहत एवं बचाव दलों की तैनाती तथा भूस्खलन संभावित मार्गों पर आवश्यक मशीनरी उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने प्रदेशवासियों, चारधाम यात्रियों और पर्यटकों से मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करने, अनावश्यक यात्रा से बचने और यात्रा से पहले मौसम और सड़कों की स्थिति की जानकारी लेने की अपील की है। उन्होंने आपात स्थिति में 112, 1070 और 1077 पर संपर्क करने को कहा है।

नौ मौतों के बाद प्रशासन सख्त: अवैध पटाखा फैक्ट्री ढहाई, एसआईटी करेगी जांच

अहमदाबाद, (एजेंसी) : अहमदाबाद के वस्त्राल इलाके के रामोल थाना क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में 9 लोगों की मौत के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। हादसे के 24 घंटे के भीतर ही अवैध फैक्ट्री पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया गया। इसके अलावा आसपास बिना लाइसेंस संचालित दो अन्य पटाखा फैक्ट्रियों को भी सील कर दिया गया है।इस हादसे की जांच के लिए अहमदाबाद पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया है। हालांकि, इस टीम में केवल पुलिस अधिकारियों को ही शामिल किया गया है। फायर विभाग, अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी), एस्टेट विभाग, जिला प्रशासन और बिजली विभाग के किसी भी अधिकारी को जांच दल का सदस्य नहीं बनाया गया है, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

वस्त्राल गांव की सीमा में टीन शेड बनाकर अवैध रूप से पटाखों का निर्माण किया जा रहा था। विस्फोट के बाद प्रशासन ने जेसीबी की मदद से पूरे परिसर को ध्वस्त कर दिया और सभी अस्थायी शेडों को हटवा दिया।

कलाईकुंडा एयरबेस से ऑस्ट्रेलिया रवाना हुआ भारतीय वायु सेना का दल

पश्चिम बर्दवान, (एजेंसी) : भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का दल बहुराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास 'पिच ब्लैक' में भाग लेने के लिए पश्चिम मेदिनीपुर के एयर फोर्स स्टेशन कलाईकुंडा से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गया है।भारतीय वायु सेना के मुताबिक उसका दल सुरक्षित रूप से ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुका है। ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद भारतीय दल ने अभ्यास में अपनी आधिकारिक भागीदारी शुरू कर दी है। यह अभ्यास 20 जुलाई से सात अगस्त तक ऑस्ट्रेलिया के डार्विन स्थित रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (आरएएएफ) बेस पर होगा। इसमें 19 देशों की वायु सेनाएं हिस्सा लेंगी। भारतीय दल में अनुभवी पायलट, इंजीनियर, तकनीशियन, नियंत्रक और अन्य विशेषज्ञ शामिल हैं। अभ्यास के दौरान भारतीय वायुसेना अपने अत्याधुनिक राफेल लड़ाकू विमानों के साथ उड़ान भरेगी। इनके समर्थन के लिए सी-17 ग्लोबमास्टर- और आईएल-78 एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग विमान भी शामिल होंगे।

पुंछ में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड से 16 लोगों की मौत, किश्तवाड़ में फटा बादल

जम्मू,(एजेंसी) : जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में रविवार तड़के मूसलाधार बारिश ने तबाही मचाई। भारी बारिश के कारण फ्लैश फ्लड और भूस्खलन में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि सबसे ज्यादा प्रभावित सुरनकोट तहसील में सभी मौतें दर्ज की गई हैं। राहत एवं बचाव दल मौके पर तैनात हैं और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने, प्रभावित क्षेत्रों को खाली कराने और राहत पहुंचाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किश्तवाड़ में बादल फटा है। इसके चलते व्यापक पैमाने पर तबाही मची। घर-मकान को नुकसान पहुंचा है। राजौरी में भी भारी से बहुत भारी बारिश के चलते हालात खराब हैं। प्रशासन ने लोगों को अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह दी है। अभी तक 16 लोगों के मरने की सूचना मिली है। इसके अलावा कई अन्य अभी भी लापता हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा जताया गया है।

नूनाबंदी गांव में मकान गिरने से एक महिला की मौत हो गई। उनके पति और तीन बच्चों को घायल अवस्था में बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया है। लोअर मुर्रा क्षेत्र में भूस्खलन के कारण एक अन्य शख्स मकान में दब गया। वहीं, मकान समेत परिवार के 6 सदस्य लापता बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश के लिए बचाव अभियान चलाया गया है। इसके अलावा मरहोट में एक नाबालिग लड़की नाले में बह गई, जबकि धुंदक लाथूंग पुल के पास एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक किश्तवाड़ के दाछन के सुरनू (कियार) में बादल फटा है। इससे इलाके में हालात काफी बिगड़ गए। खेत में खड़ी फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। लगातार हो रही भारी बारिश और सलाल व बगलिहार बांध से पानी छोड़े जाने के कारण चिनाब नदी का जलस्तर अलर्ट लेवल तक पहुंचने वाला है। घाट किनारे पर बने मंदिर परिसर तक पानी पहुंच गया है और घाट पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। प्रशासन ने लोगों को अलर्ट पर रहने को कहा है। वहीं, जम्मू के पीर खो क्षेत्र के पास तवी नदी में तेज बहाव के बीच फंसे 3 लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। नौशहरा में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। इसके चलते मनावर नदी का जलस्तर बढ़ गया। बारिश और तेज बहाव के कारण कई स्थानों पर बिजली के खंभे भी टूटकर पानी में बहते नजर आए, जिससे बिजली सप्लाई प्रभावित हुई है।

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश से व्यापक पैमाने पर तबाही मची है। पुंछ में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड की चपेट में आने से 10 लोगों की मौत हो गई। राजौरी में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं. नदी-नाले उफान पर हैं। हालात को देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। पानी के तेज बहाव में कई वाहन बह गए। लोगों के घरों में भी पानी घुस गया। पूरे जिले में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं, जिससे नदी-नाले पूरी तरह उफान पर आ गए हैं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रशासन की टीमें मौके पर हैं और राहत बचाव कार्य चल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस बार बारिश ने पिछले कई सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है और अगर बारिश जारी रही तो फसलों और मकानों को भारी नुकसान हो सकता है। दूसरी तरफ, चिनाब नदी के उफान पर आने से अखनूर घाट का मुख्य हिस्सा पानी में डूब गया है।

मुख्यमंत्री सोरेन ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने की घोषणा पर रवि राज मुर्मू को दी बधाई

रांची, (एजेंसी) : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को संथाली फिल्म आंगेन के निर्देशक रवि राज मुर्मू को 'सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक' की श्रेणी में 72वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है।

मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से युवा फिल्म निमार्ता को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री सोरेने ने कहा कि ३मैं रवि राज मुर्मू को इस शानदार उपलब्धि पर अपनी हार्दिक बधाई देता हूं। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतना न केवल उनके लिए एक व्यक्तिगत मील का पत्थर है, बल्कि झारखण्ड के लोगों और संताली भाषा के लिए भी गर्व की बात है। उन्होंने अपनी फिल्म 'आंगेन' के माध्यम से राष्ट्रीय मंच पर संथाली भाषा, संस्कृति और कहानियों की समृद्धि को बेहद खूबसूरती से प्रदर्शित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान झारखण्ड से उभरती हुई बेहतरीन रचनात्मक प्रतिभाओं को दशार्ता है। साथ ही, यह कला, संस्कृति और देशज सिनेमा के एक जीवंत केंद्र के रूप में राज्य की बढ़ती पहचान को और मजबूत करता है।उन्होंने विश्वास जताया कि रवि राज मुर्मू की यह सफलता झारखण्ड के युवा फिल्म निमार्ताओं और कलाकारों को प्रेरित करेगी। इससे वे सार्थक सिनेमा के माध्यम से राज्य की समृद्ध संस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए आगे आएंगे।

श्री सोरेन ने रवि राज मुर्मू के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे भविष्य में भी अपनी उत्कृष्ट कला से झारखण्ड और देश का नाम रोशन करते रहें, यही शुभकामना है।

राष्ट्रपति मुर्मु तीन देशों की यात्रा के पहले चरण के लिए माल्दोवा रवाना

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु रविवार को अपने सात दिवसीय तीन देशों के राजकीय दौरे के पहले चरण के लिए मोल्दोवा रवाना हो गईं। वह 19 और 20 जुलाई को मोल्दोवा की राजकीय यात्रा पर रहेंगी। यह किसी भी भारतीय राष्ट्रपति की मोल्दोवा की पहली यात्रा होगी।माल्दोवा यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मु अपनी समकक्ष राष्ट्रपति मैया सैंडू के साथ द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी तथा मोल्दोवा की संसद के अध्यक्ष इगोर ग्रोसु से भी मुलाकात करेंगी।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मु 19 से 25 जुलाई तक मोल्दोवा, उत्तर मैसेडोनिया और रोमानिया की राजकीय यात्रा पर रहेंगी। उन्होंने कहा कि यह भारत के किसी राष्ट्रपति की मोल्दोवा और उत्तर मैसेडोनिया की पहली राजकीय यात्रा है, जबकि रोमानिया की राष्ट्रपति स्तर की यात्रा तीन दशक बाद हो रही है। इस दौरे से तीनों देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती मिलेगी।मोल्दोवा यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मु और राष्ट्रपति मैया सैंडू के बीच विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा होगी। दोनों देशों के बीच कृषि, स्वास्थ्य सेवा, औषधि उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। विदेश मंत्रालय का कहना है कि इन क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच परस्पर लाभकारी साझेदारी की व्यापक संभावनाएं हैं।मोल्दोवा यात्रा के बाद राष्ट्रपति मुर्मु 21 और 22 जुलाई को उत्तर मैसेडोनिया जाएंगी। यह भी किसी भारतीय राष्ट्रपति की इस देश की पहली राजकीय यात्रा होगी। वहां वह राष्ट्रपति गोडार्ना सिलजानोव्स्का-दावकोवा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ह्रिस्टिजन मिकोस्की और संसद के अध्यक्ष से मुलाकात करेंगी तथा उत्तर मैसेडोनिया की संसद को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति भारत-उत्तर मैसेडोनिया व्यापार मंच को भी संबोधित करेंगी। दोनों देशों के बीच कृषि, औषधि उद्योग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी तथा आईटी आधारित सेवाओं में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा होगी।दौरे के अंतिम चरण में राष्ट्रपति मुर्मु 23 से 25 जुलाई तक रोमानिया की राजकीय यात्रा करेंगी। यह तीन दशक से अधिक समय बाद किसी भारतीय राष्ट्रपति की रोमानिया यात्रा होगी। वहां वह राष्ट्रपति निकुसोर डैन के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी, भारत-रोमानिया बिजनेस फोरम को संबोधित करेंगी और भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगी।

रोमानिया यूरोपीय संघ में भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में हो रही प्रगति से आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंधों के और मजबूत होने की संभावना है।

मतदाता 22 जुलाई तक अपने भरे हुए फॉर्म बीएलओ को उपलब्ध करा दें : के. रवि कुमार

रांची, (एजेंसी) : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण एक सहभागी प्रक्रिया है, इसमें प्रत्येक स्टेकहोल्डर के सहयोग की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रम में मतदाताओं, बीएलए 2, बीएलओ, निर्वाचन से जुड़े हर स्तर पदाधिकारियों द्वारा आपसी सहभागिता से तीव्र गति से कार्य की जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इन्यूमरेशन फेज का कार्य किया जा रहा है जिसके अंतर्गत वर्तमान मतदाता सूची के प्रत्येक मतदाताओं तक इन्यूमरेशन फॉर्म भेजने एवं उनके भरे हुए एवं हस्ताक्षर किए हुए इन्यूमरेशन फॉर्म को संग्रहित कर डिजिटलाइज करने का कार्य किया जा रहा है।

कुमार रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि मतदाता सूची में एएसडीडीएफ सूची के अंतिम प्रकाशन हेतु सभी मतदान केंद्रों पर 22 जुलाई को बीएलओ एवं बीएलएझ2 कि बैठक एवं चुनाव पाठशाल का आयोजन किया जा रहा है। वैसे मतदाता जो अपना फॉर्म भरकर एवं हस्ताक्षर कर अपने बीएलओ को जमा करेंगें केवल उनका ही नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाले मतदाता सूचि के ड्राफ्ट पब्लिकेशन में शामिल होगा।

कुमार ने कहा कि इन्यूमरेशन फॉर्म के डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया को समय पर संपन्न करने के लिए विभाग द्वारा व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। रविवार तक विशेष कैंप एवं बीएलओ द्वारा 65.64 प्रतिशत कुल 1,73,70,620 मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म के डिजिटाइजेशन का कार्य संपन्न कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं द्वारा भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म को वापस जमा होते ही उसे डिजिटाइज करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने मतदाताओं से आग्रह किया कि जल्द से जल्द अपने इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा कर दें जिससे उसे समय रहते डिजिटाइजेशन किया जा सके।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि अभी भी शहरी मतदाताओं के द्वारा इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करने की गति धीमी है। इसे गति देने एवं अधिक से अधिक बच्चे हुए मतदाताओं को सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं की सहूलियत और शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 20 जुलाई को राज्य के सभी शहरी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में बड़ी संख्या में शहरी मतदाता अपने इन्यूमरेशन फॉर्म जमा किए। जो बचे हुए मतदाता हैं, जिन्हें किसी कारण से अभी भी इन्यूमरेशन फॉर्म प्राप्त नहीं हुए हैं वे इसे विशेष कैम में जाकर प्राप्त कर सकते हैं।

कुमार ने कहा कि वर्तमान में बीएलओ द्वारा घरझघर जाकर 97.81 प्रतिशत कुल 2,58,82,942 मतदाताओं तक बीएलओ द्वारा इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए हैं। बचे हुए मतदाता अपने बीएलओ से अवश्य संपर्क कर अपना इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करें।

कोलकाता में कानून-व्यवस्था की समीक्षा, अमित शाह ने महिला सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा मजबूत करने के दिए निर्देश

कोलकाता,(एजेंसी) : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, राज्य के मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल, केंद्रीय गृह मंत्रालय और पश्चिम बंगाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान महिला सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, पुलिस आधुनिकीकरण, साइबर सुरक्षा और सीमा क्षेत्रों की सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।बैठक में अमित शाह ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए राज्य में ह्यमहिला आउटरीच कार्यक्रमह्न शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से ग्रामीण महिलाओं के साथ नियमित संवाद स्थापित कर उन्हें जागरूक और सशक्त बनाने को कहा। साथ ही स्पष्ट किया कि इस संबंध में किसी भी सहायता के लिए राज्य सरकार सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय से संपर्क कर सकती है।

आंतरिक सुरक्षा को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से राज्य में विशेष जांच एजेंसी (एसआईए) के गठन की दिशा में आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया। यह एजेंसी एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड और राष्ट्रीय जांच एजेंसी की तर्ज पर कार्य करेगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पश्चिम बंगाल से जुड़े सभी आतंकवाद और गैरकानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम (यूएपीए) के मामलों की राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा गहन समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा सीमावर्ती इलाकों में सरकारी भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिए गए।गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल पुलिस के आधुनिकीकरण, बुनियादी ढांचे के विकास और सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए पर्याप्त बजटीय सहायता देने का आश्वासन दिया।

उन्होंने पुलिस बल के कैडर की समीक्षा कर राष्ट्रीय औसत के अनुरूप संख्या बढ़ाने, पुलिस जिलों का तर्कसंगत पुनर्गठन, सभी रिक्त पदों पर समयबद्ध भर्ती, प्रशिक्षण व्यवस्था की समीक्षा और नागरिक स्वयंसेवकों पर निर्भरता कम कर कांस्टेबलों की भर्ती को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।बैठक में पूर्व वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित सुरक्षा शिविरों के एक-तिहाई हिस्से को जन सुविधा केंद्रों में बदलने पर भी सहमति बनी, ताकि स्थानीय लोगों को सरकारी सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराई जा सकें।

इसके अलावा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण, मादक पदार्थों के खिलाफ नियमित समन्वय बैठकों का आयोजन और कोलकाता के लिए व्यापक बाढ़ प्रबंधन योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के अंत में सभी संबंधित एजेंसियों को तय समय सीमा के भीतर प्राथमिकता वाले कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए गए।

नगालैंड के मोन जिले में भारी भूस्खलन, चार की मौत, मुख्यमंत्री रियो ने जताया दुख

कोहिमा, (एजेंसी) : नगालैंड के मोन जिले में रविवार को भारी भूस्खलन हुआ है। इस घटना में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग लापता बताए जा रहे हैं।

प्रशासन के अनुसार जिले में असम राइफल्स कैंप के नीचे बसे इलाके में हुई इस घटना से भारी नुकसान हुआ है। कई घर भूस्खलन की चपेट में आए हैं। बचाव टीमें मौके पर जुटी हैं। मलबे से चार शव बरामद हुए हैं, जबकि अन्य लापता लोगों की तलाश की जारी है।

नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने घटना पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मोन जिले में भारी भूस्खलन की बेहद दुखद खबरें मिली हैं। जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। राज्य सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि एनएसडीएमए, जिला प्रशासन, डीडीएमए, एसडीआरएफ, पुलिस, असम राइफ्लस और स्थानीय समुदाय मौके पर खोज और बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में कहा है कि सरकार मृतकों के परिवारों को तुरंत मुआवजा और प्रभावित सभी लोगों को राहत सहायता देगी।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने एक्स पर बताया कि नागालैंड सरकार ने मोन टाउन में हुए दुखद भूस्खलन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। इस घटना में कई कीमती जानें गईं और संपत्ति व बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। सरकार ने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की है। साथ ही, सरकार ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की है।

संक्षिप्त खबरें

जेपीएससी में कथित धांधली के विरोध में भाजपा युवा मोर्चा का मशाल जुलूस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर,: झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) में कथित अनियमितताओं और धांधली के आरोपों को लेकर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने रविवार को देवघर में मशाल जुलूस निकाला। जुलूस वीर कुंवर सिंह चौक से शुरू होकर टावर चौक तक पहुंचा, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान कार्यकताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

मौके पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष आशीष दुबे ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पहले गिट्टी, बालू और जमीन से जुड़े मामलों में घोटाले की चर्चा होती रही, वहीं अब युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जेपीएससी में धांधली कर सीटों की खरीद-फरोख्त की जा रही है, जिससे सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

आशीष दुबे ने कहा कि भाजपा पारदर्शिता और निष्पक्ष व्यवस्था की पक्षधर है, जबकि वर्तमान सरकार में पारदर्शिता का अभाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार और लूट-खसोट का माहौल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जेपीएससी में कथित घोटाले के विरोध और निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर यह मशाल जुलूस आयोजित किया गया।

डैम में नहाने के दौरान डूबे किशोर का शव बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम, : एमजीएम थाना क्षेत्र स्थित छोटा बांकी डैम में रविवार शाम डूबे 16 वर्षीय किशोर राहुल का शव करीब छह घंटे तक चले सर्च अभियान के बाद बरामद कर लिया गया।

राहुल जेम्को का रहने वाला था। शव मिलने की सूचना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार राहुल रविवार शाम अपने कुछ दोस्तों के साथ छोटा बांकी डैम में नहाने गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। दोस्तों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह देखते ही देखते पानी में लापता हो गया। घटना की सूचना मिलते ही उसके परिजन और एमजीएम थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

राहुल की तलाश के लिए गोताखोरों की टीम को बुलाया गया। पुलिस, गोताखोरों और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से लगातार करीब छह घंटे तक डैम में सर्च अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद देर रात राहुल का शव पानी से बाहर निकाला गया।

शव बरामद होने के बाद परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच करते हुए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है।

लाखों के जेवरात चोरी का खुलासा, आरोपित गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा, : इटखोरी बाजार में ज्वेलरी व्यवसायी दिलीप सोनी की बाइक की डिक्की से करीब 60 लाख रुपये मूल्य के जेवरात चोरी मामले का चतरा पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने ओडिसा के जाखापुर थाना क्षेत्र के दशमनिया गांव निवासी दीपक प्रधान को गिरफ्तार किया है। वह कुख्यात गुलगुलिया गिरोह का सक्रिय सदस्य है। मामले की जानकारी एसपी अनिमेष नैथानी ने प्रेस वार्ता में दी।

पुलिस जांच में पता चला कि आरोपित ने घटना से पहले कई दिनों तक व्यवसायी की दुकान की रेकी की थी। वह ग्राहक बनकर दुकान पहुंचा और चोरी का सोना सस्ते दाम में बेचने का झांसा देकर व्यवसायी की गतिविधियों की जानकारी जुटाई। इसके बाद बाइक की डिक्की से जेवरात चोरी कर लिए।

एसपी ने बताया कि गिरोह का सरगना उड़ीसा का आकाश प्रधान है। गिरोह के सदस्यों को हैदराबाद में डिक्की खोलने, रेकी करने और वारदात के बाद फरार होने का विशेष प्रशिक्षण दिया जाता था। प्रारंभिक जांच में आरोपी के पत्थलगड़ा के नावाडीह और जोरी में भी ज्वेलरी कारोबारियों से छिनतई की घटनाओं में शामिल होने की बात सामने आई है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

जगन्नाथपुर मेला में ब्लेड मारकर चोरी करती पकड़ी गई दो महिलाएं

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : रांची के जगन्नाथपुर मेला में चोरी की घटना सामने आई है, पूजा के तीसरे दिन रविवार को चोरी के आरोप में दो महिलाओं को पकड़ा गया। भीड़ में खड़े लोगों ने दावा किया कि महिलाओं के जरिए ब्लेड की मदद से महिलाओं का पर्स काटकर उससे पैसे की चोरी कर रही थी।

भीड़ में खड़ी एक महिला का पर्स भी कटा हुआ मिला, लोगों की ओर से लगातार एक महिला पर संदिग्ध होने की आशंका जताते हुए उसपर नजर रखे हुए थे।आसपास खड़े लोगों ने महिलाओं पकड़ा तो चालाकी से उसने ब्लेड को वहीं जमीन पर गिरा दिया, हालांकि युवती द्वारा सिर्फ बैक को काटा गया था, उससे कुछ सामान की निकासी नहीं की गई थी।मेले में आए हुए श्रद्धालुओं ने वॉलिंटियरों की मदद से महिलाओं को पुलिस को सौंप दिया है। फिलहाल महिलाओं को जगरनाथपुर थाना लाया गया है और पुलिस इस मामले को लेकर पूछताछ कर रही है।

केंद्र की ओर से लागू चार लेबर कोर्ट में से दो कोड मजदूरों के हित में : बीएमएस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की अखिल भारतीय कार्य समिति बैठक 26-28 जुलाई 2026 तक नामकुम स्थित सरला बिरला विश्वविद्यालय में होगी। बैठक में देश के कोने-कोने से प्रतिनिधि भाग लेंगे। कार्यसमिति बैठक में संगठित और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की समस्या और उसके समाधान पर गहन चर्चा होगी।

यह जानकारी भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री धर्मदास शुक्ला ने रविवार को धुर्वा के सेक्टर -03 सीडी 241 स्थित संगठन के कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी।

उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ वर्तमान में केंद्र सरकार की ओर से लागू किए गए चार लेबर कोर्ट में से दो लेबर कोड मजदूरी संहिता 2019 एवं सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 को मजदूरों के लिए सही बताया है। वहीं शेष दो कोड औद्योगिक संबद्ध संहिता 2020 एवं व्यवसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य और कार्य स्थितियां संहिता 2020 पर अपनी असहमति जताई है। वर्तमान में लागू किए गए समाजिक सुरक्षा संहिता से मजदूरों को बड़े पैमाने पर राहत मिली।

वहीं प्रदेश महामंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा कि तीन दिनों के अखिल भारतीय कार्यसमिति बैठक में मजदूरों के विभिन्न विषयों पर चिंतन, मंथन और समसामयिक विषयों पर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ मजदूरों को एक उत्पादन नहीं बल्कि मानव पूंजी समझता है। साथ ही शांतिपूर्ण तरीके से लगातार वार्ता के माध्यम से मजदूरों की समस्या पर समाधान करने पर विश्वास करती है।

कार्यसमिति बैठक की तैयारी समिति के प्रमुख चंदन कुमार प्रसाद ने कहा कि कार्यसमिति बैठक की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। कार्य समिति बैठक को सफल बनाने के लिए प्रदेश के सभी कार्यकर्ता इस कार्य में लगे हुए हैं। प्रसाद ने कहा कि कार्यसमिति बैठक की प्रत्येक दिन की कार्यवाही की जानकारी दी जाएगी। मौके पर बीएमएस के मीडिया प्रभारी रमा शंकर प्रसाद सहित अन्य मौजूद थे।

झारखंड में बारिश में सुधार, अब तक सामान्य से 37 प्रतिशत कम बारिश

रांची, 19 जुलाई (हि.स.)। राजधानी रांची सहित राज्य भर में हाल के दिनों में बारिश में सुधार देखने को मिला है। 01 जून से 19 जुलाई तक राज्य भर में ३८०.६ मिलिमीटर के मुकाबले २४०.६ मिमी रिकॉर्ड की गई है जो सामान्य से 37 प्रतिशत कम है। वहीं इस दौरान यह आंकड़ा 12 जुलाई तक 40 प्रतिशत था। जुलाई के दूसरे हफ्ते में हुई अच्छी बारिश के कारण राज्य भर में कृषि कार्यों में तेजी आई है। वहीं मौसम विभाग ने 20 और 21 जुलाई को राज्य के विभिन्न जिलों में भारी बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश धनबाद जिले के राजदह में 76.8 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 36.4 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची के कांके में 20.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और दोपहर बाद कांके क्षेत्र में भारी बारिश दर्ज की गई।वहीं, रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री और न्यूनतम 23.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 33 डिग्री और न्यूनतम 26.4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 31.6 और न्यूनतम 25.9 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 32.1 डिग्री और न्यूनतम 24.4 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

मझगांव में पुलिस-प्रशासन की पहल पर बदले गए थाना प्रभारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम, : जिले के मझगांव क्षेत्र में हाल की घटनाओं (दो समुदायों के बीच हिंसक झडप) के बाद प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर शांति बहाली की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। एक ओर पुलिस प्रशासन ने मझगांव थाना प्रभारी धीरज कुमार यादव को लाइन हाजिर करते हुए उनकी जगह परमेश्वर उरांव को नया थाना प्रभारी नियुक्त किया है। वहीं दूसरी ओर मानकी-मुंडा संघ कोल्हान पोड़ाहाट केंद्रीय समिति ने गांव-गांव ग्राम सभा आयोजित कर सामाजिक सौहार्द मजबूत करने का निर्णय लिया है।

बताया गया कि आदिवासी हो समाज युवा महासभा एवं मानकी-मुंडा संघ के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर मझगांव क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, सामाजिक तनाव और स्थानीय लोगों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को विस्तार से रखा था। प्रतिनिधिमंडल ने निष्पक्ष कार्रवाई करने और जनविश्वास की बहाली एवं पुलिस-प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की थी।

इसके कुछ ही घंटों बाद थाना प्रभारी में बदलाव का आदेश जारी होने पर संगठन ने जिला प्रशासन और पुलिस अधीक्षक के प्रति आभार व्यक्त किया। संगठन ने कहा कि यह निर्णय जनता की भावनाओं का सम्मान करने वाला कदम है और इससे लोगों का पुलिस पर विश्वास मजबूत होगा।इधर, रविवार को चाईबासा के मंगलाहाट रेस्ट हाउस में मानकी-मुंडा संघ की केंद्रीय बैठक केंद्रीय अध्यक्ष गणेश पाट पिंगुवा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में मझगांव की हालिया घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कुमारडुंगी और मझगांव प्रखंड के सभी मुंडा-मानकी अपने-अपने गांवों में शीघ्र ग्राम सभा आयोजित करेंगे।

मेले के बाद बदहाल हुआ मधुपुर का डाक बंगला मैदान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर, : मधुपुर के ऐतिहासिक डाक बंगला मैदान में आयोजित मेले के बाद मैदान की स्थिति काफी खराब हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कभी हरी-भरी घास से आच्छादित यह मैदान अब जगह-जगह कीचड़ और उबड़-खाबड़ जमीन में तब्दील हो गया है।

बताया जा रहा है कि यह मधुपुर का प्रमुख सार्वजनिक मैदान है, जहां प्रतिदिन स्कूली बच्चे खेलकूद का अभ्यास करते हैं, जबकि सुबह और शाम बड़ी संख्या में बुजुर्ग, महिलाएं और युवा टहलने एवं व्यायाम के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार खिलाड़ियों और नागरिकों की मांग पर स्थानीय विधायक सह मंत्री हफीजुल हसन के प्रयास से करीब ०1 करोड़ 31 लाख 65 हजार 600 रुपये की लागत से मैदान का सौंदर्यीकरण और हरी घास लगाने का कार्य कराया गया था।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि मेले के आयोजन से पहले भी कई लोगों ने मैदान को होने वाले संभावित नुकसान को लेकर चिंता जताई थी, लेकिन उनकी आपत्तियों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। वहीं भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष अवनी भूषण ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से मैदान की बदहाल स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए इसके संरक्षण की मांग उठाई है।

नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि डाक बंगला मैदान को जल्द से जल्द पूर्व स्थिति में बहाल किया जाए और भविष्य में ऐसे आयोजनों के दौरान मैदान की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि खिलाड़ियों और आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

सरयू राय की पहल पर होमगार्ड जवानों का बकाया वेतन मिलेगा 20 को

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम, : एमजीएम अस्पताल में तैनात होमगार्ड जवानों के पांच महीने से लंबित वेतन भुगतान का रास्ता साफ हो गया है। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने रविवार को जारी बयान में बताया कि राज्य सरकार ने बकाया वेतन के लिए आवश्यक राशि जारी कर दी है, जिसके बाद सोमवार को जवानों के खातों में भुगतान कर दिया जाएगा।

सरयू राय ने कहा कि एमजीएम अस्पताल के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सरकार की ओर से स्वीकृत राशि अस्पताल के अधीक्षक के खाते में भेज दी गई है। इसके बाद सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर सोमवार को होमगार्ड जवानों का पांच माह का लंबित वेतन जारी कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि लगातार कई महीनों तक वेतन नहीं मिलने से होमगार्ड जवानों और उनके परिवारों को गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। स्थिति इतनी विकट हो गई थी कि एक महिला होमगार्ड जवान ने फिनाइल पीकर आत्महत्या का प्रयास भी किया था। हालांकि समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बच गई।

विधायक ने बताया कि दो दिन पूर्व एमजीएम अस्पताल के निरीक्षण के दौरान होमगार्ड जवानों ने उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया था। जवानों ने बताया कि महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके परिवारों के समक्ष रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो गया है।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सरयू राय ने अस्पताल परिसर से ही राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी से दूरभाष पर बातचीत की। उन्होंने मंत्री से कहा कि एमजीएम अस्पताल उनके विधानसभा क्षेत्र में आता है और यहां कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान कराना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने लंबित वेतन तत्काल जारी कराने का आग्रह करते हुए चेतावनी दी थी कि यदि दो दिनों के भीतर भुगतान नहीं हुआ तो वे सरकार के खिलाफ आंदोलन करने को विवश होंगे।

सरयू राय ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री ने उस समय शीघ्र भुगतान कराने का आश्वासन दिया था। अब सरकार की ओर से राशि जारी किए जाने के बाद उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके हस्तक्षेप और सरकार की पहल से सैकड़ों होमगार्ड जवानों को बड़ी राहत मिलेगी।

गिरफ्तार माओवादी रविंद्र गंझू की निशानदेही पर पुलिस किया हथियार बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लातेहर: ।पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को मिलीं गुप्त सूचना के आधार पर पिछले दिनो लातेहार पुलिस, सीआरपीएफ कोबरा 209 के साथ संयुक्त छापामारी अभियान चलाया गया था।इस अभियान को स्पेशल ओपीएस कांति का नाम दिया गया था। अभियान के क्रम में छापामारी दल के द्वारा जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के बांझी टोला गांव से भाकपा माओवादी संगठन के सक्रिय रिजनल कमिटी सदस्य 20 लाख के ईनामी रविन्द्र गंझू उर्फ मुकेश गंझू उर्फ सुरेन्द्र गंझु को गिरफ्तार किया गया था।इसके बाद पुलिस ने उसे रिमांड में लेकर सख्ती से पुछ-ताछ की।उसके निशानदेही पर कुख्यात उग्रवादी रविन्द्र गंझू के द्वारा कई अन्य काण्डों में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया है।पुनः उसके निशानदेही पर हथियारों की बरामदगी की गई है। इस आशय की जानकारी एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता ने पुलिस मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी।उन्होंने बताया कि माओवादी संगठन के रिजनल कमांडर रविन्द्र गंझू उर्फ मुकेश गंझू उर्फ सुरेन्द्र गंझू (43) पिता रामब्रत गंझू (हेसला, बांझी टोला थाना बेतर चंदवा) पिछले करीब 30 वर्षो से संगठन से जुड़कर संगठन में सक्रीय रहा है।यह सुरक्षा बलो के साथ हुए मुठभेड़ में शामिल रहा है। कुख्यात माओवादी रविन्द्र गंझू के विरुद्ध लातेहार जिला मे 41, लोहरदगा जिला मे 87 तथा गुमला जिला मे 27 मामला दर्ज है। रिमांड में लेने के बाद उसकी निशानदेही पर एक एके56, एके 56 का दो मैगजीन, 90 चक्र जिंदा कारतुस, एक काले रंग का पाउच पुलिस ने बरामद किया है। छापामारी दल में एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता, रितेश कुमार राव ओपी प्रभारी बेतर, शशि कुमार थाना प्रभारी बारेसाढ़, अजीत कुमार व रितेश तिग्गा समेत कई जवान शामिल थे।

श्राद्ध कर्म के दौरान गिरी आसमानी बिजली, दो की मौत, पांच घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला:सरायकेला थाना क्षेत्र के नुवागोड़ा गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में आसमानी बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए।सभी घायलों का इलाज सरायकेला सदर अस्पताल में चल रहा है।जानकारी के अनुसार, गांव निवासी रोशनी सुरेन की मां का कुछ समय पूर्व निधन हो गया था।उनके श्राद्ध कर्म का कार्यक्रम चल रहा था।इसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ आसमानी बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में कई लोग आ गए।इस हादसे में रोशनी सुरेन (9 वर्ष) और सोनू सरदार (32 वर्ष) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।वहीं मालती सुरेन (6 वर्ष), सोनामुनी सुरेन (12 वर्ष), बेबी सुरेन (40 वर्ष), राधि सुरेन (35 वर्ष) एवं सुनील गगराई (18 वर्ष) घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए सरायकेला सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली।इस हृदयविदारक घटना से पूरे नुवागोड़ा गांव में शोक की लहर है।एक ही परिवार के श्राद्ध कार्यक्रम के दौरान हुए इस हादसे ने गांव के लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया।

रेलवे महिला कर्मी से दिनदहाड़े चेन लूट की कोशिश, एक आरोपित गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम, : बागबेड़ा थाना क्षेत्र स्थित रेलवे ट्रैफिक कॉलोनी के समीप रविवार को दिनदहाड़े एक रेलवे महिला कर्मी से चेन छीनने का प्रयास किया गया। वारदात उस समय हुई जब महिला कर्मचारी एम भवानी ड्यूटी पूरी कर अपने घर लौट रही थीं।

इसी दौरान बाइक पर सवार दो अपराधियों ने उन्हें रोककर गले से चेन झपटने की कोशिश की।महिला ने जब साहस दिखाते हुए उनका विरोध किया तो दोनों आरोपितों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें सड़क पर घसीटा, उनके कपड़े फाड़ दिए और चापड़ दिखाकर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद दोनों आरोपित मौके से भागने लगे।

महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और आरोपितों का पीछा किया। स्थानीय लोगों की सक्रियता के कारण एक आरोपित को दबोच लिया गया, जबकि उसका साथी भाग निकलने में सफल रहा। पकड़े गए आरोपित की पहचान गोलमुरी निवासी शिव कुमार मछुआ के रूप में हुई है। लोगों ने उसकी पिटाई करने के बाद उसे बागबेड़ा थाना पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही विश्व हिंदू परिषद से जुड़े कार्यकर्ता भी बागबेड़ा थाना पहुंच गए। बताया गया कि पीड़िता एम भवानी संगठन से भी जुड़ी हुई हैं। जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकताओं ने थाने के बाहर प्रदर्शन कर महिला के साथ हुई मारपीट और चेन लूट के प्रयास की कड़ी निंदा की। उन्होंने फरार आरोपित की जल्द गिरफ्तारी और दोनों आरोपितों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

बागबेड़ा थाना पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं फरार आरोपित की तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और फरार आरोपित को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

धनबाद में फिर भू-धंसान, बुट्टू बाबू बंगला बस्ती के छह घर जमींदोज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कतरी नदी से सटे रामधारी कांटा पहाड़ी में रविवार की सुबह भू धंसान से हड़कंप मच गया। जोरदार आवाज के साथ करीब 70 फीट वृत्ताकार जमीन धंस गई । जिसमें करीब आधा दर्जन खाली व बंद आवास ध्वस्त हो गए। हालांकि घटना में किसी की हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के समय आस - पास के लोग आवासों से निकाल कर चिल्लाने लगे। अफरातफरी मच गई। आवाज सुनकर कतरी नदी के उस पार धान मील मोहल्ले से लोग जुट गए। लोगों ने उक्त घटना की सूचना कोलियरी प्रबंधन एवं रामकनाली ओपी पुलिस को दी ।घटना में अनवर अंसारी, गीता देवी, राजू गुप्ता, विंदा देवी सहित अन्य के घरों को नुकसान हुआ। मिली जानकारी के अनुसार भू धंसान वाले क्षेत्र को पहले ही खतरनाक घोषित कर दिया गया है। यह रहनेवालों को रामकनाली कोलियरी कार्यालय के समीप घर बनाने के लिए जमीन मुहैया करा दी गई है। कुछ लोग घर बनाएं हुए हैं तो कुछ लोगों का घर निमार्णाधीन है। इधर सूचना पाकर एकेडब्लूएमसी कोलियरी के एसीएम रामनरेश कुमार, ओवरमैन सतीश चंद्र विद्यार्थी, गोवर्धन महतो, रियाज अहमद एवं सीआईएसएफ के जवान घटनास्थल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। घटनास्थल के चारों तरफ लाल फीता लगा दिया। ताकि कोई भी व्यक्ति उस ओर नहीं जा सके। घटना के बाद लोग आक्रोशित हो गए और वे लोग जनप्रतिनिधि को कोसने लगे। स्थानीय लोगों ने बताया जाता है कि एक वर्ष पूर्व भी उक्त स्थान पर चार बार भू- धंसान की घटना घटी जिसमें एक दर्जन से अधिक लोग बेघर हो गए थे। लोगों ने बताया कि भू-धंसान की घटनास्थल से मात्र कुछ दूरी पर कतरी नदी व हनुमान मंदिर है। जो खतरे से खाली नहीं है। दो दिन से हो रही लगातार बारिश की पानी से नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है जो खदान के लिए खतरा बन सकता है।

संक्षिप्त खबरें

धनबाद जेल मे लगीअदालत व जांच शिविर

0 127 बंदियों की हुई स्वास्थ्य जांच.

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धनबाद द्वारा मंडल कारा धनबाद में जेल अदालत एवं मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुसार टोपनों ने बताया कि

जेल अदालत में बंदियों के मुकदमों पर सुनवाई हुई वहीं मेडिकल कैंप में सदर अस्पताल धनबाद के चिकित्सक डॉ राजीव सिंह के नेतृत्व में डॉ. प्रमात कुमार (सर्जरी रोग) , स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ अंजना कुमारी, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ हरेंद्र कुमार, नेत्र रोग विशेषज्ञ, हुआ मनोरोग काउंसलर अभीशिक्ता मुखर्जी द्वारा कुल 127 बंदियों का स्वास्थ्य जांच किया गया तथा उन्हें जरूरी दवाई उपलब्ध कराई गई। इस मौके पर जेलर दिनेश कुमार ,लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ कुमार विमलेन्दु, डेप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक नीरज गोयल, कन्हैयालाल ठाकुर, स्वाति कुमारी, शैलेंद्र झा, पारा लीगल वॉलंटियर, अंशुल कुमार समेत जेल के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महानगर की ओर से युवा संगोष्ठी सम्पन्न

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, धनबाद महानगर की ओर से शताब्दी वर्ष पर रविवार को आईआईटी. आईएसएम के गोल्डन जुबली सभागार में युवा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में सरकारी, गैरसरकारी, अर्ध-सरकारी कार्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में सेवारत 20 से 35 वर्ष आयु वर्ग के 223 युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर हुआ। आईएसएम के प्रोफेसर धीरज कुमार ने कार्यक्रम की भूमिका रखी। युवाओं ने पंच परिवर्तन एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर मंचासीन अधिकारियों से संवाद किया। मुख्य वक्ता क्षेत्र सामाजिक सद्भाव संयोजक, (बिहार-झारखंड) राकेश लाल रहे। उन्होंने कहा कि संघ अपने स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा है। राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक समरसता की इस एक सदी की यात्रा में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध, सामाजिक समरसता, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्य इन पांच विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने पढ़ाई के साथ संस्कार और देशभक्ति जरूरी है। तभी हम गुलामी की मानसिकता से ऊपर उठकर आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकते हैं। पंच परिवर्तन का संदेशः संगोष्ठी में संघ के 'पंच परिवर्तन' के मुख्य एजेंडे पर चर्चा की गई, जिसमें सामाजिक समरसता (जातिगत भेदभाव मिटाना), कुटुंब प्रबोधन (पारिवारिक मूल्य) पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवन शैली और नागरिक कर्तव्य शामिल हैं। कार्यक्रम में वक्ता द्वारा हिंदू समाज को संगठित करने और राष्ट्र निर्माण के लिए जातिवाद जैसी बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर संघचालक नित्यानंद पाण्डेय ने की। उन्होंने कहा कि युवा ही राष्ट्र की रीढ़ हैं। संघ का उद्देश्य युवाओं को चरित्रवान और राष्ट्र के प्रति समर्पित बनाना है।

छापेमारी में अवैध कोल डिपो से 80 टन कोयला जब्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बाघमारा कोयलांचल में अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ सुरक्षा बलों ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। बीसीसीएल ब्लॉक दो क्षेत्र के सीआइएसएफ ,बाघमारा थाना पुलिस एवं वन विभाग की टीम ने रविवार को एक संयुक्त छापेमारी अभियान चलाकर भीमकनाली मांझी बस्ती स्थित फोरेस्ट एरिया में संचालित आवैध कोल डिपो से 80 टन अवैध कोयला जब्त किया । जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बलों को गुप्त सूचना मिली थी कि भीमकनाली मांझी बस्ती फोरेस्ट एरिया पर अवैध रूप से कोयला डिपो का संचालन किया जा रहा है। बड़े पैमाने पर भंडारण किये गये अवैध कोयले को खपाने की योजना बनाई जा रही है। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सीआइएसएफ ने पहले ड्रोन कैमरा से लोकेशन का पता लगाया इसके बाद बाघमारा थाना पुलिस एवं वन विभाग ने संयुक्त रूप से उक्त स्थल पर छापेमारी की। इस दौरान भंडारण किये गये लगभग 80 टन अवैध कोयला जब्त किया गया। छापेमारी के बाद जब्त किये गये पूरे कोयले को कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बीसीसीएल ब्लॉक दो प्रबंधन के सुपुर्द कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में किसी भी कीमत पर अवैध कोयला खनन और परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस तरह के औचक छापेमारी अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक के परिजनों से मिले बेरमो विधायक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं दिवंगत पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए बेरमो विधायक सह धनबाद कांग्रेस प्रभारी कुमार जयमंगल सिंह रविवार को हाउसिंग कॉलोनी स्थित उनके आवास पहुंचे। उनके साथ कांग्रेस नेत्री एवं उनकी पत्नी अनुपमा सिंह भी मौजूद थीं। दोनों नेताओं ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान कुमार जयमंगल सिंह ने कहा कि मन्नान मल्लिक उनके अभिभावक समान थे और कांग्रेस पार्टी में उनकी कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि उनके पिता स्वर्गीय राजेंद्र सिंह ने मन्नान मल्लिक को इंटक में असंगठित मजदूर प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया था और जीवनभर उन्होंने मजदूरों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया।

डीसी ने मध्य विद्यालय झारूडीह व मिल्लत हाई स्कूल का किया निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने रविवार को मध्य विद्यालय झारूडीह तथा मिल्लत हाई स्कूल मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एसआइआर के तहत गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य के प्रगति की जानकारी ली। बीएलओ एवं संबंधित पदाधिकारियों को प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए डिजिटाइजेशन कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बूथ पर मौजूद मतदाताओं से संवाद कर गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया की जानकारी भी ली। साथ में मतदान केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने धनबाद तथा झरिया विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे 20 जुलाई को भी अपने संबंधित मतदान केंद्र पर आयोजित विशेष शिविर में अवश्य पहुंचें, गणना प्रपत्र प्राप्त कर उसे सही ढंग से भरकर समय पर जमा करें तथा मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतन अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं। मतदान केंद्रों के औचक निरीक्षण के दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन के साथ अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, एनडीसी दीपक कुमार दुबे सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

वनबंधु परिषद को मिला तीन राष्ट्रीय सम्मान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः 17-19 जुलाई तक हैदराबाद कान्हा शांति वनम्‌ में आयोजित वनबंधु परिषद राष्ट्रीय वार्षिक बैठक में धनबाद चैप्टर ने भी भाग लिया। इसमें संरक्षक केशव कुमार हरोड़िया,अध्यक्ष अजय अग्रवाल ,वनयात्रा प्रमुख रचना अग्रवाल ,सदस्य अन्नपूर्णा हरोड़िया तथा सचिव रोहित प्रसाद ने हिस्सा लिया।इस राष्ट्रीय सम्मेलन में धनबाद चैप्टर ने अपने उत्कृष्ट संगठनात्मक कार्यों के आधार पर पूरे देश में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करते हुए तीन राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त किए। प्रथम पुरस्कार झ्र वनयात्रा, द्वितीय पुरस्कार झ्र सदस्यता, तृतीय पुरस्कार ओट-ीएस ग्रोथ। बैठक में बताया गया कि एकल अभियान से देशभर में लगभग 90,000 एकल विद्यालयों का संचालन हो रहा है, जहाँ वनवासी एवं जनजातीय क्षेत्रों के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा, संस्कार, स्वास्थ्य जागरूकता तथा आत्मनिर्भरता की प्रेरणा प्रदान की जाती है। यह अभियान शिक्षा एवं सेवा के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। धनबाद चैप्टर ने यह उपलब्धि सभी कार्यकताओं, दानदाताओं, शुभचिंतकों एवं सहयोगियों को समर्पित करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी सेवा, संगठन और समाज उत्थान के कार्यों को और अधिक गति देने का संकल्प दोहराया।

शोक कुमार सिंह के नेतृत्व में कांग्रेसजनों की बैठक सह मिलन समारोह का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः 8 लेन रोड के 21 ढाबा परिसर में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव श्री अशोक कुमार सिंह के सौजन्य एवं नेतृत्व में कांग्रेसजनों की एक महत्वपूर्ण बैठक सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षणअभियान, संगठन की मजबूती, आगामी राजनीतिक रणनीति, सदस्यता विस्तार, जनसरोकार के मुद्दों तथा आगामी चुनावी तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष श्री राजेश ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि आज देश और राज्य की जनता महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं तथा सामाजिक सौहार्द जैसे गंभीर मुद्दों से जूझ रही है। कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर इन मुद्दों को मजबूती से उठाए तथा संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का कार्य करे ।कार्यक्रम के आयोजक एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव श्री अशोक कुमार सिंह ने सभी अतिथियों एवं कार्यकताओं का स्वागत करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में धनबाद सहित पूरे झारखंड में कांग्रेस संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाया जाएगा।

आशीर्वाद ने गुणात्मक परंपरा अभियान के जरिए विश्वकर्मा महाराणा समुदाय को दिया सम्मान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः पुरी रथ यात्रा से अपने लंबे जुड़ाव को आगे बढ़ाते हुए, भारत के नंबर 1 पैकेज्ड आटा ब्रांड आशीर्वाद ने 'गुणात्मक परंपरा' अभियान की शुरूआत की है। यह एक अनूठा सांस्कृतिक अनुभव है, जो भगवान जगन्नाथ के पवित्र रथ का निर्माण करने वाले विश्वकर्मा महाराणा समुदाय की कारीगरी और वर्षों पुरानी परंपरा को सम्मान देता है। 'गुणात्मक परंपरा', यानी 'गुणवत्ता की परंपरा', एक ऐसा विचार है जो पीढ़ियों से चली आ रही शिल्पकला और आशीर्वाद की 'क्वालिटी की गारंटी' के वादे को एक साथ जोड़ता है।ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित यह अनुभव भगवान जगन्नाथ के रथ निर्माण की बारीकियों को करीब से दिखाता है। हर वर्ष विश्वकर्मा महाराणा समुदाय अपनी कुशल कारीगरी से इन पवित्र रथों का निर्माण करता है और इस परंपरा को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाता है। गुणवत्ता के प्रति समर्पण ही आशीर्वाद की पहचान है, और यही सोच इस पहल में भी झलकती है। इस अनुभव का मुख्य आकर्षण रथ के पहिये और पारंपरिक पत्थर की चक्की के बीच बनाया गया प्रतीकात्मक संबंध है। जहां रथ का पहिया भगवान जगन्नाथ की दिव्य यात्रा का प्रतीक है, वहीं चक्की भारतीय परिवारों में गुणवत्ता और पोषण की पहचान रही है।इस अनुभव का उद्घाटन प्रसिद्ध ओड़िया अभिनेत्री एलिना सामंतराय की मौजूदगी में हुआ। उन्होंने विश्वकर्मा महाराणा समुदाय और श्रद्धालुओं से मुलाकात की तथा इस विशेष अनुभव का हिस्सा बनीं। एलिना सामंतराय ने कहा,₹मुझे आशीर्वाद जैसे भरोसेमंद ब्रांड के साथ जुड़कर खुशी हो रही है। 'गुणात्मक परंपरा' सिर्फ ओडिशा की समृद्ध संस्कृति का उत्सव नहीं है, बल्कि विश्वकर्मा महाराणा समुदाय की बेहतरीन कारीगरी को भी सम्मान देती है। ऐसी पहल लोगों को हमारी विरासत से जोड़ने का एक खूबसूरत माध्यम है।₹ इस पहल पर आईटीसी लिमिटेड के फूड्स डिवीजन, स्टेपल्स बिजनेस यूनिट के चीफ एग्जीक्यूटिव अनुज रुस्तगी ने कहा, ₹आशीर्वाद हमेशा से गुणवत्ता, भरोसे और पोषण का प्रतीक रहा है। 'गुणात्मक परंपरा' के जरिए हमें विश्वकर्मा महाराणा समुदाय को सम्मान देने का अवसर मिला है। उनकी बेहतरीन कारीगरी ने सदियों से रथ निर्माण की इस पवित्र परंपरा को जीवित रखा है। गुणवत्ता के प्रति उनका समर्पण हमें प्रेरित करता है और गुणवत्ता के प्रति यही समर्पण आशीर्वाद की पहचान भी है। इसी सोच के साथ हम अपने 'क्वालिटी की गारंटी' के वादे को निभाते हैं।

काला हीरा कार्यक्रम के दूसरे दिन स्थानीय कलाकारों ने जलवा बिखेरा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः सीसीडब्ल्यूओ कम्युनिटी हॉल में 'काला हीरा' (ऑल इंडिया मल्टीलिंगुअल ड्रामा, डांस, ड्रॉइंग एंड म्यूजिक) कार्यक्रम का दूसरा दिन रविवार को स्थानीय कलाकारों के लिए बहुत खास रहा। स्थानीय कलाकारों ने भरतनाट्यम, कथक फोक नृत्य, लोक गीत, शास्त्रीय नृत्य व पाश्चात्य नृत्य संस्कृतियों का अनूठा संगम दर्शकों को देखने को मिला। छोटे-छोटे बच्चों के बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए अभिभावक काफी उत्साहित थे और कार्यक्रम में माताएं अपने बच्चों को सजाने संवारने में व्यस्त थीं। लोकगीतों का सिलसिला शुरू होने पर दर्शकों में नया जोश भर गया। लोगों ने इन गीतों को सुनकर पुरानी परंपरा और भारतीय संस्कृति को बनाए रखने की काला हीरा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद की अपील को सराहा। प्रस्तुतियों का आनंद लेने में बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सभी आगे रहे। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकार जॉली छाबड़ा ने पंजाबी गाना व दूरदर्शन में गाना गा चुके रवि कुमार उर्फ आर्या कुमार ने मोहम्मद रफी के नगमे गाकर दर्शकों का दिल जीत लिया। ड्राइंग कंपटीशन में भी प्रतिभागियों ने विभिन्न थीमों पर एक से बढ़कर चित्रकारी बना कर प्रशंसा बटोरी। काला हीरा कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आए सिवान के फिल्म डायरेक्टर बिजय कुमार, मुंबई के फिल्म अभिनेता ए बी मिश्रा व पश्चिम बंगाल की अभिनेत्री मोनालिसा दास के द्वारा ए ग्रेड ,बी ग्रेड और सी ग्रेड में घोषित विजेताओं को अतिथियों के द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में को सफल बनाने में काला हीरा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, पूनम प्रसाद ,वैभव प्रसाद,मिताली मुखर्जी, सरसी चंद्रा,वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा सचिव हेमंत कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष नरेश राय, यू सी मिश्रा महेंद्र गिरी, शिवानी पंडित, साक्षी , संजय भारद्वाज, संतोष रजक सक्रिय थे।

क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

धनबाद। रविवार को जिले के 78 सेंटरों पर झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि सेंटर में प्रवेश करने से पहले हर परीक्षार्थी की सघन जांच की गई। उनकी बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज कराई गई। सेंटर पर पेयजल, बिजली, साइन बोर्ड, सीटिंग प्लान सहित सभी व्यवस्था सुव्यवस्थित रही। परीक्षा कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे ने बताया कि उन्होंने विभिन्न सेंटरों का भ्रमण किया। परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल, कैलकुलेटर, डिजिटल डायरी, पेजर, लॉग टेबल, स्मार्ट वॉच सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण लेकर सेंटर में प्रवेश वर्जित था। आयोग के निदेर्शानुसार सभी सेंटर पर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में परीक्षा संचालित की गई। परीक्षार्थियों को निर्धारित सीटिंग प्लान के अनुसार क्लासरूम में बैठाया गया था। उन्होंने बताया कि परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए 78 स्टैटिक दंडाधिकारी, 43 पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट, 9 μलाइंग स्क्वायड एवं 105 ऑब्जर्वर तथा पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। परीक्षा अवधि में सभी सेंटर की 100 मीटर परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रही।

हिन्दी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

धनबाद, सोमवार 20 जुलाई 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

जेएसएससी की परीक्षा में शामिल हुए 5202 अभ्यर्थी, 13758 अनुपस्थित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : जिले में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आयोजित क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन रविवार को रामगढ़ जिले के 30 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की व्यापक सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। इस परीक्षा में दोनों पालियों में मात्र 5202 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 13758 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के प्रथम और द्वितीय पाली में कुल 9480 अभ्यर्थियों में से 2603 अभ्यर्थी उपस्थित थे, जबकि 6877 अभ्यर्थी अनुपस्थित थे। वहीं, तृतीय पाली में कुल 9480 अभ्यर्थियों में से 2599 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 6881 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

पेपर लीक पर कांग्रेस ने बोला हमला, प्रश्नपत्र लीक मामले को बताया धोखा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : झारखंड प्रदेश कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने पेपर लीक के मामलों को लेकर सवाल उठाये। उन्होंने रविवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पेपर लीक मामले को युवाओं के भविष्य पर बड़ा संकट बताते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2014 से अब तक देश की 152 महत्वपूर्ण परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हैं, जिससे करीब 7.5 करोड़ छात्र-छात्राओं का भविष्य प्रभावित हुआ है।

प्रदीप यादव ने आरोप लगाया कि पेपर लीक की घटनाओं से निराश होकर दो दर्जन से अधिक छात्रों ने खुदकुशी की, लेकिन केंद्र सरकार ने पीड़ित परिवारों की कोई सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि छात्र वर्षों तक कठिन मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन पेपर लीक उनकी मेहनत पर पानी फेर देता है। उनका आरोप था कि इतने बड़े मामलों के बावजूद दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई और सरकार जवाबदेही तय करने में विफल रही है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी छात्रों की आवाज बनकर उनके संघर्ष को मजबूती दे रहे हैं। वहीं, छात्रों की गूंज अभियान के संयोजक कुमार राजा ने बताया कि यह राष्ट्रव्यापी अभियान 28 शहरों में 40 दिनों तक चलेगा, जिसके तहत छात्र संवाद, मैराथन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मशाल जुलूस आयोजित किए जाएंगे। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से अभिलाष साहू, लाल किशोर नाथ शाहदेव और राजन वर्मा मौजूद थे।

देवघर में मानसून की बेरुखी से किसान बेहाल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर, : जिले में मानसून की बेरुखी किसानों के लिए गंभीर चिंता का कारण बन गया है। पिछले करीब 15 दिनों से पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण खेतों में तैयार धान के बिचड़े सूखने की कगार पर पहुंच गए हैं। बारिश के अभाव में धान की रोपाई प्रभावित हो रही है, जिससे किसानों के बीच अकाल जैसी स्थिति की आशंका गहराने लगी है।

बारिश नहीं होने के कारण कई किसान डीजल पंप सेट के सहारे खेतों की सिंचाई कर किसी तरह धान की रोपाई की तैयारी में जुटे हैं। हालांकि डीजल की बढ़ती कीमतों ने सिंचाई को काफी महंगा बना दिया है, जिससे खेती की लागत में भारी वृद्धि हुई है और किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

जिले के सारठ प्रखंड के 80 से 90 प्रतिशत किसान कृषि पर निर्भर हैं। यह क्षेत्र धान उत्पादन के लिए प्रसिद्ध रहा है और इसे 'धान का कटोरा' भी कहा जाता है। लेकिन लगातार तीसरे वर्ष समय पर पर्याप्त वर्षा नहीं होने से धान उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है।

किसानों का कहना है कि इस वर्ष उन्होंने ऊंची कीमत पर हाइब्रिड धान के बीज खरीदे और समय पर बिचड़े भी तैयार कर लिए, लेकिन बारिश नहीं होने से खेतों की जुताई तक शुरू नहीं हो सकी है। ऐसे में रोपाई का निर्धारित समय निकलता जा रहा है। इससे फसल प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है।

जदयू ने नालों की सफाई कार्यों में लापरवाही का लगाया आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम, :विधायक सरयू राय के निर्देश पर जनता दल (यूनाइटेड) और जनसुविधा समिति के प्रतिनिधियों ने रविवार को मानगो क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख नालों का निरीक्षण कर सफाई कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान टैंक रोड, कालिका नगर चौक, उलीडीह, खनका, कालिका नगर रोड संख्या-3 तथा कुटकुट डुंगरी रोड संख्या-6 सहित कई स्थानों का दौरा किया गया। प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि वर्षा पूर्व नालों की सफाई के लिए मई माह में निविदाएं जारी होने के बावजूद अधिकांश स्थानों पर अब तक काम शुरू नहीं किया गया है। प्रतिनिधियों का कहना था कि मानसून से पहले जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से नाला सफाई के लिए निविदाएं निकाली गई थीं, लेकिन धरातल पर इसका असर कहीं दिखाई नहीं दे रहा है। कई प्रमुख नाले अब भी गाद और कचरे से भरे हुए हैं, जिससे बारिश के दौरान जलजमाव की समस्या लगातार बनी हुई है।

सैकड़ों समर्थकों के साथ सामाजिक कार्यकर्ता व फिटनेस एक्सपर्ट सुमित दुबे भाजपा में शामिल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : भारतीय जनता पार्टी,रांची महानगर जिला की ओर से रविवार को तुपुदाना स्थित औरेलिया बैंक्वेट हॉल में सदस्यता ग्रहण एवं मिलन समारोह कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में हटियाझतुपुदाना क्षेत्र के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता एवं फिटनेस एक्सपर्ट सुमित दुबे एवं उनकी धर्मपत्नी श्वेता दुबे ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ, भाजपा रांची महानगर जिला अध्यक्ष वरुण साहू, भाजपा रांची जिला पूर्वी अध्यक्ष विनय महतो (धीरज), रांची नगर निगम के उप महापौर नीरज कुमार, प्रदेश प्रवक्ता आरती कुजूर, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्षा आरती सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष के.के. गुप्ता, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, ने नवसदस्यों को पार्टी का अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला पहनाकर भाजपा परिवार में आत्मीय

स्वागत किया।

मिलन समारोह में केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि भाजपा केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का एक व्यापक जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, सुशासन और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सुमित दुबे एवं नवसदस्यों का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके जुड़ने से संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा जनसेवा के कार्यों को नई गति मिलेगी।

सुमित दुबे ने भाजपा परिवार में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी विचारधारा, सेवा भाव एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे ऐतिहासिक कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने अपने साथियों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने का निर्णय लिया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत बनाने तथा समाज एवं राष्ट्रहित में कार्य करेंगे।

रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज देश की सबसे विश्वसनीय राजनीतिक शक्ति है। संगठन की विचारधारा और कार्यशैली से प्रभावित होकर समाज के विभिन्न वर्गों के लोग लगातार भाजपा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुमित दुबे एवं उनके समर्थकों का भाजपा परिवार में स्वागत है और उनके जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती मिलेगी।उप महापौर नीरज कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विकासोन्मुखी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण समाज के सभी वर्गों का विश्वास पार्टी के प्रति निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने नवसदस्यों से जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा रांची महानगर जिला अध्यक्ष वरुण साहू ने की, जबकि मंच संचालन भाजपा रांची महानगर जिला के महामंत्री जितेंद्र वर्मा ने किया।

समारोह के अंत में सभी अतिथियों ने नवसदस्यों का अभिनंदन करते हुए उन्हें संगठन की रीति-नीति एवं राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा रांची महानगर जिला के महामंत्री बलराम सिंह, सत्यदेव मुंडा, नीरज चौधरी, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी सूरज शहदेव, सोशल मीडिया प्रभारी राहुल शहदेव, तुपुदाना मंडल अध्यक्ष गणेश तिग्गा, हटिया मंडल अध्यक्ष सुप्रिया दुबे, पूर्व मंडल अध्यक्ष राम मनोज साहू सहित जिला एवं मंडलों के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

छोटा बांकी डैम में नहाने के दौरान किशोर लापता, तलाश जारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम, : एमजीएम थाना क्षेत्र के छोटा बांकी डैम में रविवार शाम नहाने के दौरान 16 वर्षीय किशोर राहुल के डूब जाने की आशंका से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद से पुलिस, स्थानीय लोगों और गोताखोरों की टीम द्वारा उसकी लगातार तलाश की जा रही है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया था।

मिली जानकारी के अनुसार, जेम्को निवासी राहुल अपने दोस्तों

के साथ छोटा बांकी डैम में नहाने गया था। सभी युवक पानी में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान राहुल गहरे हिस्से की ओर चला गया, जहां अचानक उसके पैर के नीचे से जमीन खिसक गई। संतुलन बिगड़ने के कारण वह गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते डूबकर लापता हो गया। उसके साथ मौजूद दोस्तों ने शोर मचाया, लेकिन तब तक वह पानी में ओझल हो चुका था। घटना की सूचना मिलते ही राहुल के परिजन बदहवास होकर डैम पहुंचे। वहीं सूचना मिलने पर एमजीएम थाना पुलिस भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से खोज अभियान शुरू कराया। बाद में गोताखोरों की टीम को भी बुलाया गया, जो देर शाम तक डैम में राहुल की तलाश में जुटी रही। पुलिस का कहना है कि किशोर की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन लगातार जारी है और हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

नीट में सफल नेहा कुमारी का झारखंड लोकतांत्रिक क्रांति मोर्चा ने किया सम्मान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर, : राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल कर सारठ क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली छात्रा नेहा कुमारी के घर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांति मोर्चा (जेएलकेएम) की टीम पहुंची। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो के निर्देश पर जिला अध्यक्ष चंदन वर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नेहा और उनके परिजनों को बधाई देते हुए केंद्रीय अध्यक्ष का शुभकामना संदेश सुनाया।इस अवसर पर पार्टी के महासचिव पवन कुमार उर्फ विक्की ने कहा कि नेहा की सफलता सीमित संसाधनों और कठिन संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने कहा कि नेहा ने यह साबित कर दिया है कि यदि लक्ष्य के प्रति समर्पण, मेहनत और एकाग्रता हो तो किसी भी परिस्थिति में सफलता प्राप्त की जा सकती है।उन्होंने कहा कि बिना किसी कोचिंग के नीट जैसी कठिन परीक्षा में सफलता हासिल करना पूरे झारखंड के छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणादायक है। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो ने भी नेहा और उनके परिजनों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भाजयुमो ने जेपीएससी मुद्दे पर आंदोलन की तैयारियां तेज कीं, मशाल जुलूस और घेराव कार्यक्रम की बनी रूपरेखा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम, : भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) जमशेदपुर महानगर की बैठक रविवार को साकची स्थित भाजपा महानगर कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष नितीश कुशवाहा ने की, जबकि भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में 21 जुलाई को जमशेदपुर में प्रस्तावित मशाल जुलूस और 22 जुलाई को रांची स्थित जेपीएससी कार्यालय के घेराव कार्यक्रम को व्यापक और प्रभावी बनाने की रणनीति तैयार की गई।

बैठक में कार्यक्रमों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए संगठन के विभिन्न स्तरों पर जिम्मेदारियां तय की गईं। जिला, मंडल और बूथ स्तर तक कार्यकताओं को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए। साथ ही युवाओं और छात्रों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनसंपर्क अभियान तेज करने का निर्णय लिया गया, ताकि दोनों कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

इस दौरान भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने कहा कि भाजपा हमेशा युवाओं के हितों के लिए संघर्ष करती रही है और राज्य के युवाओं के भविष्य से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जेपीएससी परीक्षा से जुड़े मुद्दों पर सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए और संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य करेगा।भाजयुमो महानगर अध्यक्ष नितीश कुशवाहा ने कहा कि संगठन पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया की मांग को लेकर लगातार संघर्षरत है।

खेत से युवक का नग्न शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम, : पूर्वी सिंहभूम जिले के बोड़ाम थाना क्षेत्र की मुकरुडीह पंचायत अंतर्गत कदमजोड़ा गांव में रविवार को एक युवक का नग्न शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। खेत में शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरूआती जांच में युवक की हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।

मृतक की पहचान कदमजोड़ा गांव निवासी 36 वर्षीय चीनीवास महतो के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार रविवार शाम करीब छह बजे हाराधन सिंह के खेत से शव बरामद किया गया। घटनास्थल से मृतक के कपड़े और मोबाइल फोन भी मिले हैं, जिन्हें पुलिस ने जांच के लिए जब्त कर लिया है।

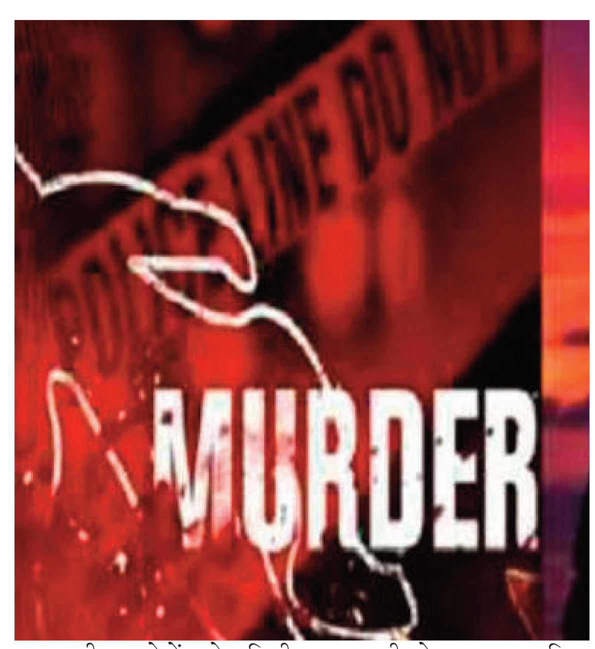

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर धान रोपनी के लिए खेत की ओर जा रही एक महिला की नजर सबसे पहले शव पर पड़ी। नग्न अवस्था में शव देखकर वह घबरा गई और इसकी सूचना परिजनों तथा आसपास के लोगों को दी। इसके बाद वार्ड सदस्य मीरा सिंह को मामले की जानकारी दी गई। उनके पति ने तत्काल बोड़ाम थाना पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थाना प्रभारी नीरज कुमार पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

प्राथमिक जांच में मृतक के सिर और आंख के पास गंभीर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस का मानना है कि किसी भारी या धारदार हथियार से हमला कर युवक की हत्या की गई हो सकती है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही हो सकेगा।

रांची में पहली बार इस्कॉन की तीन दिवसीय रथ यात्रा शुरू, श्रद्धालुओं ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,: रांची में इस्कॉन की ओर से पहली बार आयोजित तीन दिवसीय भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा उत्सव का शुभारंभ रविवार को भक्ति और उल्लास के माहौल में हुआ। लेक एवेन्यू, कांके रोड स्थित इस्कॉन मंदिर से निकली रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालुओं ने हरे कृष्ण महामंत्र के संकीर्तन, भजन और नृत्य के साथ पूरे उत्साह से रथ यात्रा में भाग लिया।

रथ यात्रा के शुभारम्भ से पूर्व भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मंगल आरती एवं विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद जयंतनाथ शाहदेव और उनके पुत्र जीतेश नाथ शाहदेव ने परंपरा के अनुसार स्वर्ण झाड़ू से मार्ग का प्रतीकात्मक रूप से शुद्धिकरण किया। आरती के उपरांत रथ की रस्सी खींचकर यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया गया। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भी झाड़ू लगाकर भगवान की सेवा अर्पित की और श्रद्धालुओं के साथ रथ यात्रा में शामिल हुए।

रथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। संकीर्तन मंडलियों ने भजन, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भक्तिमय वातावरण का निर्माण किया। भक्तों ने भगवान को विभिन्न प्रकार के भोग अर्पित किए और आरती में भाग लेकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे मार्ग में ₹हरे कृष्ण, हरे राम₹ के जयघोष गूंजते रहे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी और बूंदी प्रसाद का भी वितरण किया गया।

इस्कॉन के महाप्रबंधक मधुसूदन मुकुंद दास ने बताया कि रांची में पहली बार आयोजित इस रथ यात्रा को श्रद्धालुओं का

अभूतपूर्व सहयोग मिला है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष इससे भी अधिक भव्य स्तर पर रथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस्कॉन के संस्थापक आचार्य श्रील ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद ने लगभग 60 वर्ष पूर्व अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को शहर में पहली बार रथ यात्रा की शुरूआत की थी। आज इस्कॉन के माध्यम से विश्व के 150 से अधिक देशों में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा श्रद्धा और भक्ति के साथ निकाली जाती है।

महाप्रबंधक ने कहा कि पुरी धाम के गजपति महाराज की सहमति से इस्कॉन इंडिया आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से लेकर बहुदा रथ यात्रा तक देशभर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्राओं का आयोजन करता है। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष रांची में भी पहली बार यह आयोजन किया गया। रविवार को इस्कॉन ईस्ट कैलाश (दिल्ली), औरंगाबाद, गोरखपुर, चेन्नई सहित देश के अनेक इस्कॉन केंद्रों में भी रथ यात्रा निकाली गई।

इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, कांके विधायक सुरेश बैठा, टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, उपमहापौर नीरज कुमार, लेक एवेन्यू सोसाइटी के सचिव मुकेश काबरा, अध्यक्ष विकास सिंह, वसंत बिहार के सचिव राजेश अग्रवाल, अर्जुन जालान, श्रवण जजोदिया, रवींद्र मोदी, अंचल किंगर, अनिल मोदी, रामावतार राजगढ़िया, विनोद मोदी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। तीन दिवसीय उत्सव के दौरान धार्मिक अनुष्ठान, संकीर्तन, प्रवचन और प्रसाद वितरण के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

फतेहपुर के फुलगंज जंगल से 1600 लीटर महुआ शराब बरामद, आठ बाइक जब्त

पुलिस ने मौके से एक शराब तस्कर को किया गिरफ्तार, सात जंगल का लाभ उठाकर फरार

झारखंड से बिहार लाई जा रही थी महुआ शराब की खेप, गुप्त सूचना पर हुई कार्रवाई

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाने की पुलिस ने रविवार सुबह गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के फुलगंज जंगल से 1600 लीटर महुआ शराब और तस्करी में प्रयुक्त आठ बाइक जब्त की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसके सात साथी तस्कर जंगल का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस अब फरार तस्करों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि झारखंड से बाइकों के जरिए महुआ शराब की बड़ी खेप बिहार लाई जाने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने फुलगंज जंगल में घेराबंदी कर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही तस्करों में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान एक तस्कर को दबोच लिया गया, जबकि अन्य सात तस्कर जंगल के रास्ते भाग निकले। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आठ बाइकों पर लदे 16 बोरों से कुल 1600 लीटर महुआ निर्मित शराब बरामद की। तस्करी में इस्तेमाल की गई सभी आठ बाइक भी जब्त कर ली गईं।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्कर की पहचान गुरपा थाना क्षेत्र के धनछू गांव निवासी रंजन कुमार के रूप में हुई है। उसके खिलाफ मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत फतेहपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस उससे पूछताछ कर शराब तस्करी के नेटवर्क और फरार साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पूरे गिरोह तक पहुंचने के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा

गया जंक्शन पर तत्काल टिकट का अवैध कारोबारी रंगे हाथ गिरफ्तार

ऑपरेशन उपलब्ध के तहत रेलवे टिकट के अवैध कारोबार पर आरपीएफ की कार्रवाई

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर आरपीएफ की टीम ने ऑपरेशन उपलब्ध के तहत कार्रवाई करते हुए रेलवे टिकट के अवैध कारोबार में संलिप्त एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरपीएफ एवं संबंधित टीम द्वारा गया जंक्शन के बुकिंग काउंटर के पास संदिग्ध गतिविधियों पर संयुक्त रूप से निगरानी की जा रही थी। वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर के निर्देश पर सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में निगरानी की गई कार्रवाई में इंस्पेक्टर बनारसी यादव और सीआईडी इंस्पेक्टर चंदन कुमार की टीम शामिल थी। इसी दौरान संदीप कुमार पिता सुरेश चौधरी निवासी सिंधौल थाना सिरदला जिला नवादा को एक स्लीपर तत्काल टिकट के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने तीन यात्रियों के लिए तत्काल कोटे का टिकट बनवाने का ऑर्डर लिया था। उसके पास से राजगीर से लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) जाने वाली ट्रेन संख्या 13201 अप का 20 जुलाई का तत्काल टिकट बरामद हुआ जिसकी कीमत 2,865 रुपये है।गिरफ्तार युवक ने यह भी बताया कि वह प्रत्येक यात्री से तत्काल टिकट बनवाने के एवज में 500 से 1,000 रुपये तक अतिरिक्त वसूलता था। उसने संबंधित ग्राहकों से ऑनलाइन माध्यम से कुल 4,000 रुपये प्राप्त करने की बात स्वीकार की। मामले को रेलवे टिकट के अवैध कारोबार से जुड़ा पाए जाने पर आरपीएफ ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

कोपा एवं सम्होता गांव में आकाशीय बिजली गिरने से दो की मौत

सारण,(एजेंसी) : सारण में जलालपुर प्रखंड के कोपा नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत स्टेशन रोड और सम्होता गांव में तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक किशोर गंभीर रूप से झुलस गया।पहली घटना कोपा नगर पंचायत के वार्ड संख्या एक की है, जहाँ पेशे से पेंटर ओम प्रकाश मांझी अपने पुत्र यश कुमार के साथ खेत में धान की रोपनी के लिए बिचड़ा लेकर गए थे। इसी दौरान अचानक मौसम बिगड़ा और तेज बारिश के साथ वज्रपात हो गया, जिससे ओम प्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई और उनका पुत्र गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घायल यश को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया है।दूसरी घटना सम्होता गांव की है, जहाँ खेत में धान की रोपनी करा रहा चंद्रदीप प्रसाद का पुत्र रोहित कुमार वज्रपात की चपेट में आ गया, जिससे उसकी भी जान चली गई। इस घटना से दोनों गांवों में मातमी सन्नाटा पसरा है। स्थानीय ग्रामीणों ने पीड़ित परिवारों को आपदा राहत योजना के तहत अविलंब मुआवजा देने की मांग की है। पुलिस शवों का पोस्टमार्टम करा रही है।

ग्रामीण प्रशिक्षण शिविर में घोषणा, श्रमिकों को सहायता व सामाजिक सुरक्षा का मिलेगा लाभ

बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी उन्मूलन, न्यूनतम मजदूरी व भवन निर्माण कर्मकार की दी जा रही जानकारी

गया जी(एजेंसी) : गया जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र (डीआरसीसी) के सभागार में एक दिवसीय श्रम अधिकार दिवस सह ग्रामीण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रमेव जयते के उद्घोष के साथ हुआ। शिविर की अध्यक्षता उप श्रमायुक्त पुनम कुमारी तथा सहायक श्रमायुक्त ऋतुराज ने की। इसमें श्रम विभाग के अधिकारियों, डीआरसीसी के पदाधिकारियों, श्रमिक संगठनों, गैर-सरकारी संस्थाओं तथा जिले की विभिन्न पंचायतों से आए श्रमिकों ने भाग लिया।

शिविर में श्रमिकों को श्रम अधिकार, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, रोजगार के अवसर तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी कर्पूर बावला ने बताया कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से काम कराना कानूनन अपराध है। दोषी नियोजकों पर 20 हजार से 50 हजार रुपये तक का जुमार्ना अथवा छह माह से दो वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। वहीं मुक्त कराए गए बाल श्रमिकों को तत्काल तीन हजार रुपये तथा पुनर्वास के लिए 25 हजार रुपये की सहायता दी जाती है। शनिवार

को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में बंधुआ मजदूरी उन्मूलन अधिनियम-1976 की जानकारी देते हुए श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी सुजीत कुमार ने बताया कि मुक्त कराए गए बंधुआ मजदूरों को तत्काल 30 हजार रुपये तथा सत्यापन के बाद एक लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। दीपक कुमार ने न्यूनतम मजदूरी की दरों की जानकारी दी, जबकि अंकित राज ने बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि पंजीकृत निर्माण श्रमिक की सामान्य मृत्यु पर दो लाख तथा कार्यस्थल दुर्घटना में मृत्यु होने पर चार लाख रुपये तक की सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

महिला श्रमिकों को किया गया सम्मानित, उत्कृष्ट श्रमिकों को मिला पुरस्कार

उप श्रमायुक्त पुनम कुमारी ने कहा कि श्रम संसाधन एवं निजाम अचानक सिलेक्शन प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग से जुड़ी किसी भी समस्या की शिकायत दूरभाष के माध्यम से दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने महिला श्रमिकों को आगे बढ़कर योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर श्रमिक रंजीत कुमार को 10 हजार रुपये का नगद पुरस्कार दिया गया। मिथलेश यादव, अनिल चौधरी और शांति देवी को विवाह सहायता योजना के तहत 50-50 हजार रुपये के डमी चेक प्रदान किए गए। समग्र सेवा संस्था, वजीरगंज के रमेश कुमार को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। शिविर में पंचायतों से आए श्रमिकों को एक दिन की मजदूरी, यात्रा भत्ता तथा भोजन की भी व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था।

फतेहपुर में शिक्षा की नई उड़ान, मॉडल विद्यालय का सपना हुआ साकार

पूर्व विधायक डॉ. श्यामदेव पासवान, मुख्य पार्षद रवि कुमार व बीईओ दिनेश कुमार राय ने किया शुभारंभ

बेहतर शैक्षणिक माहौल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नई सुविधाओं से क्षेत्र के विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल की शुरूआत हुई है। प्लस टू प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित कर रविवार को इसका विधिवत शुभारंभ किया गया। विद्यालय परिसर में शुरू हुए सरस्वती विद्या निकेतन आदर्श विद्यालय का उद्घाटन पूर्व विधायक डॉ. श्यामदेव पासवान, फतेहपुर नगर पंचायत के मुख्य पार्षद रवि कुमार तथा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार राय ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ऑनलाइन नेतृत्व व मार्गदर्शन में दीप प्रज्वलित कर व फीता काटकर किया गया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ. श्यामदेव पासवान ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही किसी समाज की सबसे बड़ी पूंजी होती है। मॉडल विद्यालय बनने से फतेहपुर के विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक वातावरण, बेहतर संसाधन और प्रतिस्पर्धी शिक्षा का अवसर मिलेगा। सरकार की योजना के तहत इस विद्यालय को सिमुलतला, जवाहर नवोदय विद्यालय और नेतरहाट विद्यालय की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। ताकि दूरदराज के बच्चों को कम खर्च में बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सके। नगर पंचायत फतेहपुर के मुख्य पार्षद रवि कुमार ने विद्यार्थियों से अनुशासन और लगन के साथ पढ़ाई कर अपने लक्ष्य हासिल करने का आह्वान किया। उन्होंने इस पहल को क्षेत्र के लिए मील का पत्थर बताते हुए विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य उमेश कुमार ने की, जबकि मंच संचालन शिक्षक संतोष कुमार ने किया। समारोह में बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रमंडलीय उपाध्यक्ष डॉ. हीरालाल यादव, जिलाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, महावीर इंटर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पी.पी. प्रियदर्शी, सांसद प्रतिनिधि कृष्णा सिंह, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष संजय कुमार सिंह, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष बालमुकुंद पांडेय, पूर्व जिला पार्षद नागेंद्र यादव, राजद प्रखंड अध्यक्ष बिंदी यादव, जितेंद्र चौधरी, स्कूल की शिक्षिका कुमारी नीलम, सीमा भारती, प्रियंका सिंहा, नूरजहां प्रवीण, नायाब नजीर, प्रभावती यादव, शिक्षक रामप्रकाश प्रसाद, अशोक कुमार, संतोष पासवान, रोहन सिंह, चितरंजन कुमार, पवन कुमार पांडेय सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक, छात्र-छात्राएं और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

पटना हाई स्कूल के स्थापना दिवस समारोह में शामिल होकर नीतीश कुमार ने किया शहीद राजेन्द्र प्रसाद सिंह की प्रतिमा का अनावरण

पटना, (एजेंसी) : रविवार को जद (यू0) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना के गर्दनीबाग स्थित शहीद राजेन्द्र प्रसाद सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (पटना हाई स्कूल) के स्थापना दिवस सह वार्षिक पूर्ववर्ती छात्र मिलन समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर विद्यालय की स्मारिका का विमोचन किया। उक्त अवसर पर नीतीश कुमार ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानी एवं विद्यालय के गौरव शहीद राजेन्द्र प्रसाद सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने विद्यालय की गौरवशाली परंपरा और देश-समाज के निर्माण में पूर्ववर्ती छात्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक संस्थान केवल शिक्षा के केंद्र ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा के भी प्रमुख स्रोत हैं। इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह गांधी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पूर्ववर्ती छात्र, शिक्षाविद् एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय की ऐतिहासिक विरासत, शिक्षा के क्षेत्र में उसके योगदान तथा पूर्ववर्ती छात्रों की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पूर्ववर्ती छात्र संघ द्वारा विद्यालय के विकास एवं गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने के संकल्प को भी दोहराया गया।

बिहार में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती का रिकॉर्ड: पांच दिनों में 8,000 से अधिक अभ्यर्थियों का इंटरव्यू, 68 बोर्ड करेंगे चयन

पटना, (एजेंसी) : बिहार में संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) पर सहायक प्राध्यापकों (असिस्टेंट प्रोफेसर) की भर्ती के लिए राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (बीएसयूएससी) ने एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने की तैयारी की है। आयोग सोमवार से शुरू होने वाले पांच दिवसीय विशेष अभियान के तहत 8,000 से अधिक अभ्यर्थियों का इंटरव्यू आयोजित करेगा। यह राज्य में अपने तरह का अब तक का सबसे बड़ा और तेज भर्ती अभियान माना जा रहा है।बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग ने भर्ती प्रक्रिया को समय पर पूरा करने के लिए 68 इंटरव्यू बोर्ड गठित किए हैं। इन बोर्डों में करीब 300 विषय विशेषज्ञ शामिल किए गए हैं। ये बोर्ड समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, हिंदी, अंग्रेजी और इतिहास सहित छह विषयों में 2,532 सहायक प्राध्यापक पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन करेंगे।

आयोग के नियमों के अनुसार केवल साक्षात्कार ही नहीं, बल्कि अभ्यर्थियों की शिक्षण क्षमता (टीचिंग स्किल) का भी मूल्यांकन किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया में कुल 12 अंक निर्धारित किए गए हैं, जिनमें 6 अंक व्यक्तिगत साक्षात्कार (इंटरव्यू) के लिए, 6 अंक शिक्षण प्रदर्शन (टीचिंग डेमोंस्ट्रेशन) के लिए दिए जाएंगे। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी के शिक्षण प्रदर्शन की अनिवार्य रूप से वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी।बीएसयूएससी के अध्यक्ष गिरीश कुमार चौधरी ने बताया कि राज्य के सभी 211 नवस्थापित सरकारी डिग्री कॉलेजों में समय पर शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए आयोग लगातार अतिरिक्त समय तक काम कर रहा है।

ब्राउन शुगर तस्करी में गिरफ्तार आरोपी अस्पताल से पुलिस हिरासत से फरार, तीन चौकीदार निलंबित

मोतिहारी, (एजेंसी) : पूर्वी चंपारण जिले में पुलिस हिरासत से एक मादक पदार्थ तस्करी के आरोपी के फरार होने का मामला सामने आया है। पताही थाना पुलिस द्वारा ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों में से एक मेडिकल जांच के दौरान अस्पताल परिसर से पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले तीन चौकीदारों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए डीएसपी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (रक्ळ) का गठन किया गया है। जानकारी के अनुसार, पताही थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम बाराशंकर में छापेमारी कर दो कथित स्मैक तस्करों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बाराशंकर निवासी संजय कुमार उर्फ गोलू सिंह और सचिन कुमार के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उनके पास से करीब 10 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई थी। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे ब्राउन शुगर ब्रजेश सिंह नामक तस्कर से खरीदते थे। इसके बाद पुलिस ने उसके घर पर भी छापेमारी की, लेकिन वह मौके से फरार मिला।गिरफ्तारी के अगले दिन पुलिस दोनों आरोपियों को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल लेकर पहुंची थी। इसी दौरान एक आरोपी पुलिस को चकमा देकर अस्पताल परिसर से फरार हो गया। पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते, उससे पहले आरोपी मौके से निकल चुका था। पुलिस हिरासत से आरोपी के फरार होने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की सतर्कता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक ने पूरे मामले की समीक्षा की और ड्यूटी में लापरवाही पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन चौकीदारों को निलंबित कर दिया। निलंबित किए गए चौकीदारों में राज कुमार मुखिया, मनोज राम और अवधेश सिंह शामिल हैं। एसपी ने स्पष्ट किया कि कर्तव्य में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।फरार आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए पकड़ीदयाल डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। एसआईटी के साथ स्थानीय पुलिस की टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। पुलिस फरार आरोपी के साथ-साथ मुख्य सप्लायर ब्रजेश सिंह की भी तलाश में जुटी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही पूरे मामले की विभागीय जांच भी कराई जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि आरोपी पुलिस हिरासत से किस परिस्थिति में फरार हुआ और इसमें किसी अन्य की भूमिका तो नहीं थी।

कृतिमान: 24 घंटे में 439 मालगाड़ियों का इंटरचेंज

मालगाड़ियों के इंटरचेंज में डीडीयू मंडल का चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 का सर्वोच्च प्रदर्शन

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह के दिशा निर्देश पर मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना के मार्गदर्शन में पंडित दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) मंडल ने रेल परिचालन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित करते हुए 18 जुलाई 2026 को 24 घंटे के दौरान 439 मालगाड़ियों का इंटरचेंज कर चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 का अपना सर्वोच्च प्रदर्शन दर्ज किया।इंटरचेंज का आशय एक रेल मंडल से दूसरे रेल मंडल अथवा डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के बीच मालगाड़ियों के सुरक्षित एवं समयबद्ध हस्तांतरण तथा प्राप्ति से है। रेल परिचालन की दृष्टि से यह किसी मंडल की परिचालन क्षमता, नेटवर्क समन्वय तथा माल परिवहन दक्षता का प्रमुख प्रदर्शन सूचक माना जाता है।

इस उपलब्धि के अंतर्गत डीडीयू मंडल ने 217 मालगाड़ियां अन्य रेल मंडलों से प्राप्त (टेकन ओवर) कीं तथा 222 मालगाड़ियां निकटवर्ती रेल मंडलों एवं डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर को हस्तांतरित (मेड ओवर) कीं। इन 222 मेड ओवर मालगाड़ियों में से प्रयागराज दिशा की ओर उत्तर मध्य रेल एवं डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर को संयुक्त रूप से 85 मालगाड़ियों का मेड ओवर किया गया, जो चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 का सर्वोच्च स्तर है। इससे पूर्व चालू वित्तीय वर्ष में 16 जुलाई 2026 को 422 मालगाड़ियों के इंटरचेंज (217 टेकन ओवर एवं 205 मेड ओवर) का सर्वोच्च प्रदर्शन दर्ज किया गया था। उस दिन कुल 205 मेड ओवर मालगाड़ियों में से प्रयागराज दिशा की ओर उत्तर मध्य रेल एवं डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर को संयुक्त रूप से 82 मालगाड़ियों का मेड ओवर किया गया था, जो उस समय चालू वित्तीय वर्ष का सर्वोच्च स्तर था। इस प्रकार डीडीयू मंडल ने मात्र दो दिनों के भीतर अपने ही वित्तीय वर्ष के दोनों प्रमुख परिचालन मानकों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। उल्लेखनीय है कि 18 जुलाई 2026 को डीडीयू मंडल ने कुल 694 ट्रेनों का सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित परिचालन सुनिश्चित किया, जिनमें 25 लॉन्ग हॉल ट्रेनों सहित कुल 439 मालगाड़ियां तथा 255 कोचिंग ट्रेनें (158 मेल/एक्सप्रेस एवं 97 यात्री, मेमू तथा विशेष ट्रेनें) शामिल थीं। अत्यधिक व्यस्त परिचालन के बावजूद मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की 94.19 प्रतिशत समयपालनता बनाए रखना मंडल की उत्कृष्ट परिचालन योजना, संसाधन प्रबंधन एवं विभिन्न विभागों के प्रभावी समन्वय का प्रमाण है। यह उपलब्धि इस बात का भी द्योतक है कि मंडल ने माल एवं यात्री दोनों प्रकार के रेल परिचालन के बीच प्रभावी संतुलन बनाए रखते हुए उनका सफल संचालन सुनिश्चित किया। डीडीयू मंडल भारतीय रेल के सर्वाधिक व्यस्त रेल परिचालन मंडलों में से एक है। मंडल द्वारा अपने विभिन्न इंटरचेंज बिंदुओं के माध्यम से पूर्व मध्य रेल के दानापुर एवं धनबाद मंडल, उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल तथा उत्तर मध्य रेल के प्रयागराज मंडल के साथ-साथ डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के साथ प्रतिदिन बड़े पैमाने पर मालगाड़ियों का इंटरचेंज किया जाता है। ऐसे में इंटरचेंज में वृद्धि का सकारात्मक प्रभाव केवल डीडीयू मंडल तक सीमित न रहकर भारतीय रेल के व्यापक माल परिवहन नेटवर्क की परिचालन क्षमता, नेटवर्क की सुगमता तथा समयबद्ध माल परिवहन पर भी पड़ता है। इंटरचेंज में वृद्धि का सीधा अर्थ है कि मालगाड़ियों का अनावश्यक ठहराव कम हो, रेल नेटवर्क में उनकी निर्बाध आवाजाही बनी रहे तथा कोयला, उर्वरक, सीमेंट, खाद्यान्न, कंटेनर एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं का परिवहन देश के विभिन्न भागों तक अधिक समयबद्ध एवं दक्षतापूर्वक सुनिश्चित हो। इससे उद्योगों, ऊर्जा क्षेत्र, कृषि क्षेत्र तथा राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूती मिलती है। मंडल रेल प्रबंधक श्री उदय सिंह मीना के मार्गदर्शन में यह उपलब्धि परिचालन विभाग के कुशल नियोजन, सतत मॉनिटरिंग एवं प्रभावी परिचालन प्रबंधन के साथ-साथ वाणिज्य, यांत्रिक, विद्युत, इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं दूरसंचार तथा सुरक्षा विभाग सहित सभी संबंधित विभागों के उत्कृष्ट समन्वय, संसाधनों के प्रभावी उपयोग एवं टीमवर्क का परिणाम है। डीडीयू मंडल भविष्य में भी सुरक्षित, समयबद्ध एवं दक्ष रेल परिचालन के माध्यम से भारतीय रेल की माल परिवहन क्षमता को और सुदृढ़ बनाने तथा देश की औद्योगिक, ऊर्जा एवं कृषि आपूर्ति श्रृंखला को निर्बाध बनाए रखने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

संपादकीय

डंगा-डोली कर जंतर मंतर से वांगचुक को ले गई दिल्ली पुलिस

20 जुलाई से संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा है। 20 तारीख को कॉकरोच पार्टी ने जंतर मंतर से संसद तक मार्च करने का ऐलान किया था। सोनम वांगचुक के अनशन को 18 दिन हो चुके थे। उनका वजन करीब 9 किलो घट गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने उनके स्वास्थ्य की जांच करने के लिए दिल्ली पुलिस और सरकार को निर्देश दिया था। शनिवार की सुबह 6 बजे दिल्ली पुलिस के अधिकारी डॉक्टर की वेशभूषा में जंतर मंतर पहुंचे। सफेद चादर का परदा लगाया और 5 मिनट के अंदर ही उनकी डंगा डोली करते हुए उन्हें एंबुलेंस में डाल दिया और वहां से अस्पताल रवाना हो गए। पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर देश में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। सोनम वांगचुक के समर्थन में जिस तरह से विपक्षी दलों के नेताओं, फिल्मी अभिनेताओं, शिक्षाविद और छात्रों का जन समर्थन बढ़ रहा था इसने सरकार की चिंता बढ़ा दी। छात्रों द्वारा यदि 20 जुलाई को संसद की तरफ मार्च किया, ऐसी स्थिति में राजधानी दिल्ली की शांति तथा कानून व्यवस्था बनाए रख पाना दिल्ली पुलिस के लिए सबसे बड़ी समस्या बन सकती थी। इसको ध्यान में रखते हुए पुलिस ने सोनम बांगचुक को जंतर मंतर से हटाकर एक तरह से आंदोलन खत्म हो जाए यह प्रयास किया था। लेकिन यह दांव सरकार और दिल्ली पुलिस को भारी पड़ता हुआ दिख रहा है। सरकार और प्रशासन द्वारा अभी तक आंदोलनकारियों से कोई बात नहीं की गई। सोनम वांगचुक एक सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद, पर्यावरणविद् के रूप में पहचाने जाते हैं। वह पेपर लीक होने वाले मामले तथा 20 छात्रों के आत्महत्या कर लेने से उद्वेलित थे। उन्हें लग रहा था कि कॉकरोच जनता पार्टी के इस आंदोलन में उनके शामिल होने और आमरण अनशन करने से सरकार गंभीर होगी। जल्द आंदोलनकारियों से बात करेगी। छात्रों की समस्या का समाधान होगा। भविष्य में पेपर लीक नहीं होंगे। लेकिन उनकी यह सोच गलत साबित हुई। उनके आमरण अनशन में जाने के बाद भी सरकार ने इस आंदोलन को और उनके आमरण अनशन को गंभीरता से नहीं लिया। जब अनशन के चलते सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ने लगी तो विपक्ष के राजनीतिक दल के नेताओं, फिल्मी हस्तियों तथा विशिष्ट नागरिकों ने जंतर मंतर जाकर उन्हें अनशन समाप्त करने की गुहार लगानी शुरू कर दी। इसके साथ ही जो आंदोलन शांत पड़ा था वह गति पकड़ गया। जिसने सरकार की चिंता को बढ़ा दिया।

अहंकार मनुष्य का बहुत बड़ा दुश्मन है। वह सोने के हार को भी मिट्टी का बना देता है।

: महर्षि वाल्मीकि

यदि किसी युवती के दोष जानना हों, तो उसकी सखियों में उसकी प्रशंसा करो।

:बेंजामिन फ्रैंकलिन

भारतीय देवालयों में शुचिता का संकट और बढ़ती चौर्य प्रवृत्तियां

सनातन संस्कृति में देवालय मात्र पाषाण संरचनाएं अथवा कंक्रीट के भवन नहीं हैं, बल्कि वे साक्षात चैतन्य के पुंज, समष्टि की चेतना के जाग्रत केंद्र और लोक कल्याण के अधिष्ठान हैं। जहां श्रद्धा का ज्वार उमड़ता है, जहां समर्पण की पराकाष्ठा होती है, वहीं वर्तमान युग में कलि प्रभावजन्य भौतिकतावादी विकृतियों का प्रवेश होना अत्यंत चिंताजनक है। हाल के वर्षों में संपूर्ण भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों, चाहे वह दक्षिण के भव्य गोपुरम वाले मंदिर हों या उत्तर के ऐतिहासिक देवस्थान, में देव द्रव्य अर्थात दान, चढ़ावा, स्वर्ण, रजत और प्राचीन प्रतिमाओं की चोरी की घटनाओं में जो अप्रत्याशित और तीव्र उत्थान (बाढ़ सी आना) देखा गया है, वह केवल एक आपराधिक समस्या नहीं है। यह हमारी आध्यात्मिक चेतना के स्खलन, व्यवस्थापकीय पंगुता और सांस्कृतिक अस्मिता पर होने वाले प्रहार का जीवंत प्रमाण है।

भारतीय वास्तुकला और धर्मशास्त्रों में देव द्रव्य अर्थात देवता की संपत्ति को अत्यंत पवित्र और अक्षुण्ण माना गया है। मनुस्मृति, कौटिल्य के अर्थशास्त्र और शुक्रनीति में देव द्रव्य की चोरी को महापातक अर्थात जघन्य अपराध की श्रेणी में रखा गया है। ऐतिहासिक काल में मंदिर राष्ट्र की समृद्धि के केंद्र होते थे, इसलिए विदेशी आक्रांताओं ने सर्वप्रथम इन्हीं को अपना लक्ष्य बनाया। किंतु, स्वतंत्रता के पश्चात संप्रभु भारत में, जहां नागरिकों के अंतःकरण में ईश्वर के प्रति अगाध श्रद्धा है, वहां स्थानीय और आंतरिक स्तर पर देव-स्थानों में चौर्यकर्म का बढ़ना एक नूतन और भयावह परिघटना है। हाल के वर्षों, विशेषकर विगत पांच-छह वर्षों की घटनाओं का अवलोकन करें, तो ज्ञात होता है कि छोटे ग्रामीण अंचलों के मंदिरों से लेकर सुप्रसिद्ध और सुरक्षित माने जाने वाले देवस्थानों तक, सर्वत्र चोरों ने सेंधमारी की है। यह केवल क्षुद्र चोरों का कृत्य नहीं, अपितु इसके पीछे एक सुसंगठित और अंतरराष्ट्रीय संजाल (सिंडिकेट) कार्यरत दिखाई देता है। इस विकट समस्या के कारणों का अन्वेषण करने पर कई अंतःसंबंधित बिंदु उभरकर सम्मुख आते हैं, जो प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी स्तर पर विभाजित हैं- भौतिकतावादी अतिशयता एवं नैतिक मूल्यों का ह्रास, सुसंगठित अंतरराष्ट्रीय कला-तस्करी संजाल, व्यवस्थापकीय शिथिलता और सरकारी नियंत्रण का अंतर्विरोध, सुरक्षा तंत्र का पारंपरिक एवं त्रुटिपूर्ण होना और स्थानीय नशाखोरी और बेरोजगारी का अभिशाप। आधुनिक समाज में उपभोक्तावादी संस्कृति और त्वरित धनार्जन की लिप्सा ने मानवीय संवेदनाओं और धार्मिक भयों को विस्थापित कर दिया है। प्राचीन काल में पापबोध और दैवीय दंड का जो भय मनुष्य को दुष्कर्मों से विरक्त रखता था, वह तार्किक और अत्यधिक भौतिकतावादी युग में शिथिल हो चुका है। ईश्वर के विग्रह को साक्षात ब्रह्म न मानकर केवल एक मूल्यवान धातु या पाषाण की वस्तु समझने की जड़बुद्धि ही इस चौर्य वृत्ति की जननी है। भारतीय मंदिरों में स्थापित प्राचीन मूर्तियां, अष्टधातु के विग्रह और प्राचीन आभूषण अंतरराष्ट्रीय गुप्त बाजारों (ब्लैक मार्केट) में करोड़ों रुपयों के मूल्य पर बिकते हैं। विगत वर्षों में ऐसे कई मामले प्रकाश में आए हैं जहाँ सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के उपेक्षित या कम सुरक्षा वाले प्राचीन मंदिरों को लक्षित किया गया। चोरों को स्थानीय स्तर पर टोह लेने वाले (रेकी करने वाले) और वैश्विक स्तर पर खरीदार उपलब्ध कराने वाले बड़े सिंडिकेट का संरक्षण प्राप्त होता है।

भारत के अनेक राज्यों में बड़े और समृद्ध मंदिर सरकारी नियंत्रण (हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम) के अधीन हैं, जबकि लघु मंदिर स्थानीय ट्रस्टों या पुजारियों के भरोसे हैं। दोनों ही व्यवस्थाओं में विसंगतियां हैं।

सरकारी नियंत्रण वाले मंदिर में नौकरशाही के प्रभाव के कारण सुरक्षा उपायों में व्यावहारिक तत्परता का अभाव रहता है। दान पात्रों (हुंडी) के प्रबंधन, उनकी गणना और सुरक्षा ऑडिट में पारदर्शिता की कमी के कारण आंतरिक गबन और चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं। निजी या स्थानीय मंदिरों के पास वित्तीय संसाधनों का अभाव होता है, जिसके कारण वे आधुनिक सुरक्षा उपकरणों, जैसे सीसीटीवी कैमरे, अलार्म सिस्टम, सशस्त्र गार्ड को स्थापित करने में असमर्थ रहते हैं। अधिकांश मंदिरों में आज भी सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत पारंपरिक है। केवल एक साधारण कपाट (दरवाजा) और उस पर साधारण ताला लगा देना ही सुरक्षा की इतिश्री मान ली जाती है। रात्रि के समय जब मंदिर निर्जन होते हैं, तब ये स्थान अपराधियों के लिए सुलभ बन जाते हैं। आधुनिक तकनीक जैसे मोशन सेंसर, लेजर सुरक्षा और केंद्रीय निगरानी प्रणालियों का अभाव इन अपराधियों का मार्ग सुगम बनाता है। लघु स्तर पर होने वाली चोरियों, जैसे दान-पात्र से कुछ सहस्र रुपये निकालना, घंटे या पीतल के बर्तनों की चोरी के पीछे स्थानीय स्तर पर बढ़ती नशाखोरी (ड्रग्स और मद्यपान) और युवाओं में व्याप्त बेरोजगारी एक बड़ा कारण है। अपनी त्वरित आवश्यकताओं और व्यसनों की पूर्ति के लिए ये तत्व अत्यंत पूजनीय स्थानों को भी अपवित्र करने से नहीं हिचकते। यदि हम हालिया परिदृश्यों का विश्लेषण करें, तो चौर्य कर्म के तरीकों में एक बड़ा बदलाव आया है। अब यह कार्य केवल रात्रि के अंधकार में नहीं, बल्कि दिन के उजाले में श्रद्धालुओं की भीड़ का लाभ उठाकर भी किया जा रहा है। बड़े उत्सवों और पर्वों के समय, जब गर्भगृह में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है, जेब कतरे और महिला चोरों के गिरोह देव विग्रहों पर चढ़ाए गए हीरों, स्वर्णहारों और मुकुटों पर हाथ साफ कर देते हैं। सुदूर क्षेत्रों या राजमार्गों के किनारे स्थित मंदिरों में अपराधियों द्वारा पूरे के पूरे दान-पात्र को ही वाहन में लादकर ले जाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। कई मामलों में यह अन्वेषण में पाया गया है कि मंदिर के संविदा कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों या कभी-कभी सेवादारों की शिथिलता अथवा संलिप्तता के बिना ऐसी बड़ी चोरियां संभव नहीं हैं। सूचनाओं का रिसाव जैसे कब दान-पात्र खोला जाएगा, कब बड़ी राशि एकत्र होती है, से अपराधियों के हौसले बुलंद करता है।

मंदिरों में होने वाली ये चोरियां केवल आर्थिक हानि तक सीमित नहीं हैं, इनके दूरगामी सांस्कृतिक और सामाजिक दुष्परिणाम होते हैं। जब एक श्रद्धालु देखता है कि जिस आराध्य के सम्मुख वह शीश नवाता है, उनकी संपत्ति और विग्रह ही सुरक्षित नहीं हैं, तो जनमानस में असुरक्षा और व्यवस्था के प्रति विरक्ति का भाव जाग्रत होता है।जब कोई प्राचीन अष्टधातु की मूर्ति चोरी होती है, तो हम केवल एक धातु का पिंड नहीं खोते, बल्कि अपनी सदियों पुरानी मूर्तिकला, इतिहास और उस विग्रह में समाहित प्राण प्रतिष्ठा की ऊर्जा को भी सदैव के लिए खो देते हैं।देव द्रव्य से चुराया गया धन अक्सर अन्य अवैध गतिविधियों, जैसे मादक पदार्थों की तस्करी या असामाजिक कार्यों में प्रयुक्त होता है, जो राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक मूक संकट है। इस विभीषिका से मुक्ति पाने और देवालयों की मयार्दा अक्षुण्ण रखने के लिए एक समेकित, सुदृढ़ और बहुस्तरीय कार्ययोजना की आवश्यकता है। प्रत्येक मंदिर, चाहे वह लघु हो या वृहद्, वहां उच्च क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरों का संजाल होना अनिवार्य है। दानपात्रों को कंक्रीट के आधार के साथ सुदृढ़ता से आबद्ध किया जाना चाहिए। गर्भगृह और मुख्य तिजोरी के समीप मोशन डिटेक्टर और अलार्म प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए जो सीधे स्थानीय पुलिस थाने से संबद्ध हो। इसके अतिरिक्त, श्रद्धालुओं को डिजिटल दान के प्रति प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि मंदिरों में नगद राशि का संचयन न्यूनतम हो सके। राज्य सरकारों और मंदिर ट्रस्टों को प्रतिवर्ष अनिवार्य रूप से सुरक्षा ऑडिट कराना चाहिए। देव विग्रहों के बहुमूल्य आभूषणों का एक प्रामाणिक डिजिटल रजिस्टर (तस्वीरों और भार के विवरण के साथ) होना चाहिए। दानपात्रों को खोलने की प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी हो और उसकी वीडियोग्राफी कराई जानी चाहिए। ऐतिहासिक और समृद्ध मंदिरों के लिए राज्यों में एक समर्पित देवस्थान सुरक्षा बल का गठन किया जाना चाहिए, जो धार्मिक नियमों और मयार्दाओं से परिचित हो तथा आधुनिक हथियारों व सुरक्षा युक्तियों में निपुण हो। स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों और सनातन धर्मावलंबियों को अपने क्षेत्र के मंदिरों की सुरक्षा का उत्तरदायित्व स्वतः भी लेना होगा। मंदिर रक्षा समितियों का गठन करके रात्रि गश्त (पहरा) की व्यवस्था की जा सकती है। जब तक समाज अपने सांस्कृतिक केंद्रों को अपनी व्यक्तिगत संपत्ति मानकर उनकी रक्षा के लिए तत्पर नहीं होगा, तब तक केवल शासकीय तंत्र के भरोसे पूर्ण सुरक्षा संभव नहीं है। भारतीय देवालय हमारी आत्मा के दर्पण हैं। इनमें होने वाली चोरियां वास्तव में हमारी सामूहिक चेतना और सतर्कता पर एक करारा तमाचा हैं। शाश्वत सत्य यही है कि धर्म की रक्षा तभी होती है जब धर्म के प्रतीकों और केंद्रों की रक्षा की जाए -धर्मो रक्षति रक्षितः। वर्तमान समय की पुकार है कि हम आधुनिक तकनीक, कड़े कानूनों और अपनी पारंपरिक सामूहिक चेतना के समन्वय से इन देव-चोरों और तस्करों के नापाक इरादों को ध्वस्त करें। देवालयों की शुचिता, पवित्रता और सुरक्षा को अक्षुण्ण रखना किसी भी जीवंत सभ्यता का सर्वोपरि कर्तव्य है। इस वैचारिक अनुष्ठान में शासन, प्रशासन और समाज तीनों की आहुति अपरिहार्य है।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संघ की शताब्दी यात्रा : संघ की जीवंत परम्परा की सूरत सत्य के आईने में

सृजन में शोर नहीं होता। साधना के जुबान नहीं होती। किंतु सिद्धि में वह शक्ति होती है कि हजारों पर्वतों को तोड़कर भी उजागर हो उठती है। यह कथन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्षरशः सत्य सिद्ध होता है। संघ अपने स्थापना के सौवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा बोया गया एक छोटा-सा संगठनात्मक बीज आज भारतीय समाज के सबसे व्यापक स्वयंसेवी संगठनों में विकसित हो चुका है। इन सौ वर्षों में संघ ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे- स्वतंत्रता आंदोलन का दौर, देश का विभाजन, प्रतिबंध, आपातकाल, सामाजिक परिवर्तन, वैश्वीकरण, कोरोना महामारी और विकसित भारत की नई आकांक्षाएं। इन सभी चरणों में संघ ने स्वयं को केवल एक संगठन के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, संगठन और राष्ट्रचेतना के माध्यम के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। यही कारण है कि संघ की शताब्दी केवल किसी संगठन की यात्रा का उत्सव नहीं, बल्कि इस सार्थक एवं राष्ट्र-निर्माण की विचार-यात्रा का मूल्यांकन भी है। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में प्रकाशित ह्यआरएसएस एट 100ः एक सदी संकल्प कीह्न अत्यंत महत्त्वपूर्ण पुस्तक बनकर सामने आती है। प्रभात प्रकाशन से प्रकाशित इस कृति के लेखक श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी हैं। लेखक द्वय की इस पुस्तक में संघ के अतीत एवं भविष्य की विवेचना करते हुए भारत एवं नया भारत निर्मित करने में उसकी भूमिका को उजागर किया है और उसके इतिहास में सच्चाई के प्रतिबिम्बों को उभारने पर बल दिया है। संघ के इतिहास को धूमिल किया गया, धुंधलाया गया है, अन्यथा संघ का इतिहास दुनिया के लिये एक प्रेरणा है, अनुकरणीय है। क्योंकि संघ एक ऐसा शांति-अहिंसामय संगठन है, जो हर मोड पर निरंतरता लिये हुए सृजनात्मक बना रहा है। इसी निरंतरता में संघ की पहली शताब्दी का महत्व निहित है और शायद अगली शताब्दी के संकल्पों की दिशा भी।

सम्पूर्ण दुनिया भारत की ओर देख रही है, उसमें विश्व गुरु की पात्रता निरन्तर प्रवहमान रही है, हमने कोरोना महामारी के एक जटिल एवं संघर्षमय दौर में दुनिया के सभी देशों के हित-चिन्तन का भाव रखा, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास मंत्र के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साबित किया कि वसुधैव कुटुम्बकम- दुनिया एक परिवार है, का भारतीय दर्शन ही मानवता का उजला भविष्य है। इसी विचार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगे बढ़ रहा है, वह एक अनोखा और दुनिया का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। यह भारतीय राष्ट्रवाद की सबसे मुखर, सबसे प्रखर आवाज है। देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता उसका मूल उद्देश्य है। जैसे-जैसे संघ का वैचारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक प्रभाव देश और दुनिया में बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हिंदुत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पित इस संगठन के बारे में जानने और समझने की ललक लोगों के बीच बढ़ती जा रही है। इस विशाल संगठन के विभिन्न विषयों पर विचार तथा इसकी कार्यप्रणाली से आमजन परिचित होना चाहते हैं। जाजू एवं त्रिवेदी की पुस्तक संघ से जुड़ी जिज्ञासाओं का प्रभावी, प्रासंगिक एवं तथ्यपरक विवेचन करती है। एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन होते हुए भी संघ ने भारतीय राजनीति की दिशा को राष्ट्रीयता की ओर कैसे परिवर्तित किया है, यह समझने के लिए भी यह पुस्तक पढ़ना आवश्यक है। भारत का विश्वगुरु के रूप में अभ्युदय एक महत्वपूर्ण प्रश्न रहा जिसकी विवेचना लेखक ने समग्र रूप से प्रस्तुत पुस्तक में की है, जो संघ के शताब्दी वर्ष की आयोजना का मूल केन्द्र है। इस महत्वपूर्ण पुस्तक का लोकार्पण भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में किया। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय तथा अनेक विशिष्ट जनों की उपस्थिति ने इसे केवल पुस्तक-विमोचन तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि संघ की शताब्दी यात्रा पर एक राष्ट्रीय विमर्श का स्वरूप प्रदान किया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने संघ-इतिहास से जुड़ी अनेक नये सन्दर्भो एवं बातों को विवेचित करते हुए कहा कि किस तरह से संघ पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है, किंतु उसके बारे में आज भी अनेक भ्रांतियां और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक उन भ्रमों को दूर करने और संघ के वास्तविक स्वरूप को समझने का सशक्त माध्यम बनेगी। यह टिप्पणी इस पुस्तक की मूल आत्मा भी है, क्योंकि इसका उद्देश्य केवल संघ का गुणगान करना नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक यात्रा, संगठनात्मक विकास, राष्ट्र निर्माण में भूमिका तथा भविष्य की दिशा को तथ्यपरक ढंग से सामने रखना है। इस पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह संघ को केवल अतीत के संदर्भ में नहीं देखती, बल्कि विकसित भारत-2047, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता, सेवा, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भारत की उभरती भूमिका के साथ जोड़कर उसका विश्लेषण करती है। इसलिए यह केवल संघ के इतिहास का दस्तावेज नहीं, बल्कि नए भारत के वैचारिक विमर्श का भी एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ है।

पुस्तक का स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा अध्याय विशेष रूप से उल्लेखनीय है। लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि संघ का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था। पुस्तक इस धारणा का ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर प्रतिवाद करती है। इसमें डॉ. हेडगेवार की स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका, उनके कारावास, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा क्रांतिकारियों को सहयोग तथा विभाजन के समय राहत और सुरक्षा कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। पुस्तक का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें संघ को राजनीति से जोड़कर देखने की सीमित दृष्टि का विस्तार किया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि संघ स्वयं राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले व्यक्तियों का निर्माण करने वाला संगठन है। शिक्षा, ग्राम विकास, पर्यावरण, सेवा, संस्कृति, श्रमिक संगठन, छात्र आंदोलन, महिला सशक्तीकरण, अनुसूचित वर्गों के उत्थान तथा आपदा राहत जैसे अनेक क्षेत्रों में संघ प्रेरित संगठनों की भूमिका का विस्तृत परिचय दिया गया है। विशेष रूप से सेवा कार्यों का विवरण इस पुस्तक की आत्मा है। कोरोना महामारी, प्राकृतिक आपदाओं, सीमावर्ती क्षेत्रों, वनवासी समाज तथा अभावग्रस्त वर्गों के बीच संघ और उसके स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों को तथ्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ का सेवा कार्य केवल संकट के समय तक सीमित नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक साधना है।

पुस्तक में संघ से जुड़े अनेक मिथकों और विवादों पर भी खुलकर चर्चा की गई है। हिंदू राष्ट्र की अवधारणा, जाति व्यवस्था, आरक्षण, महिलाओं की भूमिका, अल्पसंख्यकों के प्रति दृष्टिकोण तथा लोकतंत्र के प्रति संघ की प्रतिबद्धता जैसे विषयों को विस्तार से समझाया गया है। विशेष रूप से राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से महिलाओं की सहभागिता का विवरण उन धारणाओं को चुनौती देता है कि संघ में महिलाओं के लिए कोई स्थान नहीं है। पुस्तक का एक आकर्षक अध्याय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को संघ की वैचारिक दृष्टि से देखता है।

वैचारिक दृष्टि से देखें तो पुस्तक बार-बार इस तथ्य को रेखांकित करती है कि संघ का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि चरित्रवान नागरिकों का निर्माण है। संघ के अनुसार राष्ट्र निर्माण का आधार व्यक्ति निर्माण है। शाखा इसी उद्देश्य की प्रयोगशाला है, जहां अनुशासन, सेवा, नेतृत्व और सामाजिक समरसता का अभ्यास कराया जाता है। यही कारण है कि पुस्तक बार-बार यह स्थापित करती है कि स्वयंसेवक ही संघ का वास्तविक परिचय है। निस्संदेह किसी भी वैचारिक पुस्तक की तरह इस पुस्तक को भी विभिन्न दृष्टिकोणों से पढ़ा जा सकता है। आलोचक इसके कुछ निष्कर्षों पर असहमति व्यक्त कर सकते हैं, जबकि समर्थकों को इसमें अपने विचारों का प्रामाणिक आधार मिलेगा। किंतु इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पाठक को पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर संघ को उसके अपने संदर्भों में समझने का अवसर देती है। यही किसी भी गंभीर वैचारिक पुस्तक की सफलता होती है। संघ के विषय में पहले भी अनेक महत्त्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं, जिनमें ह्यराष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के 100 वर्षह्न, ह्यकृति रूप संघ दर्शनह्न, ह्यराष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पहली अग्निपरीक्षाह्न, तथा सुनील आंबेकर की चर्चित कृति ह्यराष्ट्रीय स्वयंसेवक संघः स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्रह्न उल्लेखनीय हैं। इन कृतियों की परंपरा में ह्यआरएसएस एट 100ह्न अपनी समकालीन प्रस्तुति, व्यापक शोध और संतुलित संरचना के कारण विशिष्ट स्थान प्राप्त करती है।

ललित गग

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

धरती की कोख उजाड़कर कितने दिन चमकेगा सोने का वैभव?

सोने का भाव जितनी ऊंचाई छू रहा है, धरती उतनी ही गहराई में धंस रही है। वित्तीय बाजार इसे सुरक्षित निवेश का स्वर्णकाल मान रहे हैं, जबकि प्रकृति इसे अपने अस्तित्व का काला अध्याय। तिजोरियां भर रही हैं, लेकिन नदियां विष से, जंगल वीरानी से और आदिवासी अंचल भय से भर रहे हैं। कभी वैभव, विश्वास और स्थिरता का प्रतीक रही यह पीली धातु आज पर्यावरणीय संहार, संगठित अपराध और वैश्विक अस्थिरता की नई मुद्रा बन चुकी है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि बाजार सोने का मूल्य चुकाता है, उसकी पर्यावरणीय कीमत नहीं। हर बढ़ता भाव किसी जंगल की हरियाली, किसी नदी की निर्मलता और किसी समुदाय के भविष्य को गिरवी रखकर हासिल हो रहा है।

उन्नीसवीं सदी की गोल्ड रश अवसरों की कहानी थी, इक्कीसवीं सदी की यह स्वर्ण-दौड़ अस्तित्व का संकट है। सोने की ऊंची कीमतों ने लघु स्वर्ण खनन (आर्टिजनल एंड स्मॉल-स्केल गोल्ड माइनिंग) को अभूतपूर्व रफ्तार दे दी है। छोटे और अवैध खनिक अब केवल धरती की छाती नहीं चीर रहे, पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर शिकंजा कस रहे हैं। घाना, अमेजन, इंडोनेशिया और अफ्रीका के कई इलाकों में जंगल ऐसे उजाड़े जा रहे हैं, मानो वे धरती के फेफड़े नहीं, लालच के रास्ते की बाधा हों। खनन अब उद्योग नहीं, प्रकृति पर संगठित डकैती है। जहां कभी पक्षियों का कलरव था, वहां अब मशीनों का शोर और विस्फोट हैं।

इस विनाश की सबसे भयावह तस्वीर नदियों में दिखाई देती है। सोना निकालने की सबसे सस्ती तकनीक–पारा (मरकरी) और सायनाइड–आज भविष्य की सबसे महंगी कीमत वसूल रही है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के अनुसार, दुनिया में मरकरी प्रदूषण का लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा केवल आर्टिजनल एंड स्मॉल-स्केल गोल्ड माइनिंग (एएसजीएम) से आता है। हर वर्ष 800 टन से अधिक पारा हवा और जल स्रोतों में घुलकर मछलियों के जरिए पूरी खाद्य श्रृंखला में फैलता है तथा बच्चों के मस्तिष्क विकास पर स्थायी चोट करता है। घाना इसका सबसे दर्दनाक उदाहरण है, जहां लगभग 60 प्रतिशत जल स्रोत दूषित हो चुके हैं और अनेक नदियां पीने योग्य नहीं रहीं। यह केवल जल प्रदूषण नहीं, मानव सभ्यता की जीवनरेखा में घोला जा रहा धीमा जहर है।

यह केवल पर्यावरण का नहीं, संगठित अपराध के फैलते साम्राज्य का भी वृत्तांत है। अमेजन के जंगलों में स्वर्ण खनन अब ड्रग कार्टेलों और अपराधी गिरोहों का नया अड्डा बन चुका है। अनेक क्षेत्रों में इसका मुनाफा कोकीन के कारोबार से भी अधिक माना जा रहा है। चीनी अपराधी नेटवर्क ₹फ्लाइंग मनी₹ के जरिए सोने का इस्तेमाल अवैध वस्तुओं के विनिमय और काले धन के लेन-देन में कर रहे हैं। नतीजा यह है कि वहां केवल जंगल ही नहीं उजड़ रहे, कानून का राज भी मिटता जा रहा है। जैव विविधता सिमट रही है, आदिवासी अपनी पुश्तैनी जमीन से बेदखल हो रहे हैं और हिंसा जीवन की सामान्य सच्चाई बनती जा रही है। ब्राजील के मुंडुरुकु आदिवासी क्षेत्र में खनन थमने के बाद भी स्वास्थ्य संकट कायम है। संदेश साफ है–खदानें बंद हो सकती हैं, लेकिन प्रकृति और समाज पर पड़े उनके घाव पीढ़ियों तक नहीं भरते।

यह मानना भूल होगी कि यह संकट केवल अमेजन या अफ्रीका तक सीमित है। भारत में कर्नाटक, झारखंड, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अवैध स्वर्ण खनन तेजी से समानांतर अर्थव्यवस्था का रूप ले रहा है। सरकारी राजस्व लूट रहा है, वन सिकुड़ रहे हैं और नदियां जहर निगल रही हैं। यहां भी पारे का अंधाधुंध इस्तेमाल मछलियों, खेती और ग्रामीण स्वास्थ्य पर भारी पड़ रहा है। वैश्विक बाजार में सोने की कीमत चढ़ते ही स्थानीय जंगलों पर दबाव कई गुना बढ़ जाता है। वैश्वीकरण का यही कठोर सच है कि लंदन और न्यूयॉर्क के निवेशकों का मुनाफा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के जंगलों की कीमत पर लिखा जा रहा है।

सबसे बड़ा भ्रम यही है कि सोना आज भी केवल आभूषण या निवेश है। सच यह है कि वह अब भू-राजनीति, प्रतिबंधों से बच निकलने, भ्रष्टाचार और राजनीतिक वित्तपोषण का भी सशक्त माध्यम बन चुका है। विकसित देशों के बाजारों तक पहुंचने वाला सोना अपने पीछे छूटे विनाश के निशान साथ नहीं ले जाता। शायद ही किसी उपभोक्ता को पता हो कि उसकी उंगली में चमकती एक साधारण शादी की अंगूठी के पीछे लगभग 20 टन जहरीला खनन अपशिष्ट छिपा है। बाजार धातु की शुद्धता तो परखता है, लेकिन उसके उत्पादन की नैतिकता पर चुप्पी साध लेता है। आधुनिक अर्थव्यवस्था की यही सबसे बड़ी विडंबना है–मुनाफा कुछ हाथों में सिमटता है, जबकि उसकी पर्यावरणीय कीमत पूरी पृथ्वी चुकाती है।

समाधान केवल अवैध खनन पर छापेमारी में नहीं, बल्कि वैश्विक जवाबदेही में है। पारा-मुक्त तकनीकों को बढ़ावा देना होगा, छोटे खनिकों के लिए वैकल्पिक आजीविका सुनिश्चित करनी होगी और पूरी आपूर्ति श्रृंखला को पारदर्शी बनाना होगा, ताकि बाजार तक पहुंचने वाले हर ग्राम सोने की पूरी यात्रा दर्ज रहे। जब तक दुनिया केवल हॉलमार्क देखेगी और उसके पर्यावरणीय पदचिह्न नहीं पूछेगी, तब तक यह संकट थमेगा नहीं। विकास का अर्थ प्रकृति की कीमत पर समृद्धि नहीं, बल्कि संसाधनों और संवेदनाओं के बीच संतुलन है।

प्रकृति कभी अदालत नहीं लगाती, वह केवल अपना फैसला सुनाती है। अब फैसला हमें करना है–सोना बचाना है या धरती। क्या चमकती धातु के लिए हम पृथ्वी की धड़कनें गिरवी रखते रहेंगे? आने वाली पीढ़ियों को विरासत में स्वर्ण भंडार चाहिए या स्वच्छ नदियां, जीवित जंगल और सुरक्षित भविष्य? इतिहास बताता है कि सभ्यताएं खदानों से नहीं, प्रकृति से जीवित रहती हैं। यदि इस अंधी स्वर्ण-दौड़ पर समय रहते अंकुश नहीं लगा, तो तिजोरियां भरती जाएंगी और धरती खाली होती जाएगी। तब मानवता को स्वीकार करना पड़ेगा कि दुनिया की सबसे अनमोल संपत्ति सोना नहीं, प्रकृति थी–जिसे हमने सबसे सस्ता समझकर खो दिया।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7578

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7577 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

दैनिक पंचांग

20 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

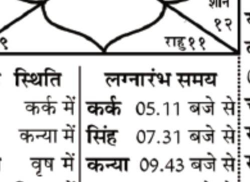

सोमवार 2026 वर्ष का 201 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 04.03 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 19.10 बजे को समाप्त।
योग शिव 18.37 बजे को समाप्त।
करण गर 15.41 बजे तदनन्तर वणिज 04.03 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 5.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20°42'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872776
जूलियन दिन 2461241.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर
तारीख 05

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कर्क में
चंद्र	कन्या में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	सिंह में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	05.11 बजे से
सिंह	07.31 बजे से
कन्या	09.43 बजे से
तुला	11.54 बजे से
वृश्चिक	14.08 ब.से
धनु	16.24 बजे से
मकर	18.30 बजे से
कुंभ	20.16 बजे से
मीन	21.49 बजे से
मेष	23.19 बजे से
वृष	00.59 बजे से
मिथुन	02.58 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

नेपाल सरकार ने मानसून आपदा प्रभावित क्षेत्रों में वाहनों के संचालन पर रोक लगाई

काठमांडू। बाढ़, भूस्खलन और जलभराव के बढ़ते खतरे को देखते हुए नेपाल सरकार ने मानसून से प्रभावित क्षेत्रों में वाहनों के संचालन पर रोक लगा दी है। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं व्यवस्थापन प्राधिकरण ने जल तथा मौसम विज्ञान विभाग ने देश के ३५ जिलों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी किए जाने के बाद अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। प्राधिकरण के कार्यवाहक प्रमुख कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार कोइराला ने बताया कि यह निर्णय विशेष रूप से भूस्खलन और बाढ़ की आशंका वाले सड़क खंडों पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा जोखिम को देखते हुए हमने भूस्खलन प्रभावित जिलों में वाहनों का संचालन नहीं करने का अनुरोध किया था। आज भी वास्तविक मौसम और सड़क की स्थिति का आकलन करने के बाद ही वाहनों को चलाने की अनुमति दी जाएगी। कोइराला ने बताया कि प्राधिकरण सुरक्षा निकायों, स्थानीय प्रशासन और सड़क विभाग के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है। राजमार्गों और अन्य सड़कों पर वाहन संचालन की अनुमति तभी दी जाएगी, जब संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित कर देंगे कि परिस्थितियां पूरी तरह सुरक्षित हैं।प्राधिकरण ने आम नागरिकों से यात्रा से पहले मौसम और सड़क संबंधी आधिकारिक परामर्श का पालन करने, उच्च जोखिम वाले मार्गों पर अनावश्यक यात्रा से बचने तथा स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

नेपाल की जनता को नुकसान देने वाले फैसले रातोंरात बदले जाएंगे : लामिछाने

काठमांडू। नेपाल में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने कहा है कि यदि सरकार के किसी फैसले से जनता को बड़ा नुकसान होता है, तो उसे रातोंरात बदला जा सकता है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि यह कोई अपरिवर्तनीय नीति नहीं है। जरूरत पड़ने पर बदलाव किया जाएगा। सरकार को थोड़ा समय और धैर्य दीजिए। लामिछाने ने कहा कि सरकार जिस उद्देश्य से निर्णय लेती है, यदि वही निर्णय जनता के लिए नुकसानदायक साबित होता है, तो उसे बदला जाएगा। इसमें चिंता की कोई बात नहीं है, लेकिन हमें सरकार को थोड़ा समय देना होगा। उन्होंने आगे कहा कि कई बार किसी नीति को लागू करने के दौरान व्यावहारिक कठिनाइयां सामने आती हैं। यदि किसी निर्णय से व्यापक नुकसान होता है, तो उसे तत्काल बदलना आवश्यक हो जाता है। पार्टी के सांसदों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रविवार को सीमा क्षेत्र के लोगों को सरकार के हालिया फैसलों, विशेषकर 100 रुपये की सीमा और अन्य प्रावधानों के कारण हो रही परेशानियों से अवगत कराया। उन्होंने इन मुद्दों के समाधान के लिए रवि लामिछाने से पहल करने का आग्रह किया।कार्यकर्ताओं की शिकायतें सुनने के बाद लामिछाने ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह का बचाव करते हुए कहा कि सरकार की मंशा गलत नहीं है। उन्होंने कहा, "निर्णयों में गलती हो सकती है और उन्हें सुधारा जा सकता है, लेकिन यदि नीयत ही खराब हो, तो उसे सुधारना कठिन होता है।" उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि किसानों के हित में लिया गया कोई निर्णय व्यवहार में किसानों के ही खिलाफ साबित होता है, तो उसमें सुधार किया जा सकता है। लामिछाने ने कहा कि नेतृत्व किसी विशेष उद्देश्य से निर्णय लेता है, लेकिन उसके क्रियान्वयन के दौरान चुनौतियां आ सकती हैं। उन्होंने कहा कि चुनौतियों के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं है कि सब कुछ खत्म हो गया। यदि कोई भी सरकारी नीति किसानों, मजदूरों, गरीबों या वंचित वर्ग के लिए परेशानी का कारण बनती है, तो उसे बदला जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने श्री हरिमंदिर साहिब में टेका माथा

अमृतसर। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान रविवार को अमृतसर स्थित सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब पहुंचे। उन्होंने गुरु घर में नतमस्तक होकर देश-दुनिया की खुशहाली और सरबत के भले के लिए अरदास की। इस दौरान उन्होंने सम्मान स्वरूप पगड़ी भी सजाई। मीडिया से बातचीत करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि श्री हरिमंदिर साहिब आने पर उन्हें हमेशा विशेष आध्यात्मिक ऊर्जा और मानसिक शांति का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों में सकारात्मक शक्ति तथा सही दिशा की पहले से अधिक आवश्यकता है। इसी कामना के साथ वह गुरु घर में अरदास करने पहुंचे हैं। चिराग पासवान ने कहा कि उनके पिता और लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान उनके आदर्श तथा

राजनीतिक प्रेरणास्रोत हैं। पार्टी उनके बताए मार्ग पर चलते हुए देशभर में अपने संगठन का विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब में भी पार्टी नई सोच, विकास और जनहित के मुद्दों के साथ लोगों के बीच जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब को लंबे समय से उसका अपेक्षित अधिकार और विकास का हिस्सा नहीं मिल पाया। कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इन दलों की सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरीं। जंतर-मंतर पर केंद्र सरकार के खिलाफ जारी प्रदर्शन के संबंध में पूछे गए सवाल पर चिराग पासवान ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने और विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। हालांकि, किसी भी समस्या का स्थायी और व्यावहारिक समाधान केवल आंदोलन से नहीं, बल्कि सरकार और संबंधित पक्षों के बीच सार्थक संवाद से ही निकल सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाने और आवश्यक सुधार करने की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता।

भारत में शिक्षा पूर्णतया निःशुल्क थी, अंग्रेजों ने लगाया शुल्क : डॉ. कृष्ण गोपाल

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने एक संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहाकि भारत में शिक्षा पूर्णतया निःशुल्क थी। छात्रों को भोजन,वस्त्र,औषधि व पुस्तकें गुरूकुल में निःशुल्क प्राप्त होती थीं। शिक्षा में शुल्क लगाने का काम अंग्रेजों ने किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में शिक्षा का स्वरूप भिन्न दिशा में जा रहा है। आज देश में बड़े-बड़े हाइवे व एयरपोर्ट बन रहे हैं,लेकिन 80 प्रतिशत समाज उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम नहीं है। इससे समाज में असंतोष उत्पन्न होता है। वह रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में महामना शिक्षण संस्थान के नूतन सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि भारत में आर्थिक व भौतिक उन्नति पर्याप्त थी। दुनिया को व्याकरण,अक्षर ज्ञान, दशमलव, गणित, त्रिकोणमिति, नक्षत्रों की गणना करना, दुनिया को कपड़ा पहनना भारत ने सिखाया। दुनिया में सबसे पहले जहाज भारत ने बनाया। सह सरकार्यवाह ने कहा कि भारत के प्रत्येक गांव में विद्यालय थे। नालंदा,तक्षशिला व विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालय भारत में थे जहां अनेक देशों के विद्यार्थी पढ़ने आते थे। इस्लाम के आक्रमण ने हमारे संस्थानों को नष्ट किया। जब अंग्रेज आये तो उन्होंने भारत की शिक्षा को ही प्रतिबंधित कर दिया। देखते ही देखते भारत निरक्षर देश में बदल गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईआईटी लखनऊ के निदेशक प्रो. अरूण मोहन शेरी ने कहा कि महामना शिक्षण संस्थान समाज को बदलने और समाज को दिशा देने का काम कर रहा है। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों में तनाव व आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में थोड़ा बदलाव की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति दुर्ग सिंह चौहान ने कहा कि शिष्टाचार की जननी माँ होती है। माता—पिता से ही बेटा सीखता है। उन्होंने कहा कि देश की समस्याओं का समाधान शिक्षा में ही है। पौराणिक संस्कारों से ही भारत खड़ा होगा। डॉ. अणिमा जामवाल ने बताया कि महामना पंडित मदन मोहन मालवीय और भाऊराव देवरस इन दो महापुरूषों की प्रेरणा से महामना मालवीय शिक्षण संस्थान चल रहा है।

पेपर लीक के विरोध में आज संसद मार्च करेगा सीजेपी

एजेंसी, नई दिल्ली

परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के मामलों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर आंदोलन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकालने की घोषणा की है। पार्टी प्रमुख अभिजीत दीपके ने प्रस्तावित मार्च में बड़ी संख्या में शामिल होने के लिए समर्थकों से जंतर-मंतर पहुंचने की अपील करते हुए आंदोलन को पूरी तरह शांतिपूर्ण बनाए रखने का आह्वान किया है। दीपके ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी संदेश में कहा कि सभी समर्थक लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाएं और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या उकसावे से दूर रहें। उन्होंने कहा कि पार्टी का विरोध प्रदर्शन और संसद मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा।

उन्होंने कहा, "मैं सभी समर्थकों से जंतर-मंतर पहुंचने की अपील करता हूं। हमारा विरोध प्रदर्शन और मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा। यदि कोई व्यक्ति किसी प्रकार की गड़बड़ी करता है या नकारात्मक नारेबाजी करता है, तो वह न

तो सोनम सर (सोनम वांगचुक) का समर्थक है और न ही सीजेपी का।" गौरतलब है कि पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक पिछले 20 दिनों से जंतर-मंतर पर अनशन कर रहे थे। शनिवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। इस घटनाक्रम के बाद आंदोलन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां और तेज हो गई हैं।

इस बीच दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के सोशल मीडिया अभियान और प्रस्तावित प्रदर्शन से जुड़े

◆ अभिजीत दीपके ने समर्थकों से की शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील

कुछ मामलों में भी कार्रवाई की है। राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और पुलिस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। सीजेपी के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर जारी धरना-प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य परीक्षा प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग है। पार्टी का आरोप है कि लगातार हो रही परीक्षा अनियमितताओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है और सरकार इस मुद्दे पर जवाबदेही तय करने में विफल रही है।

इसी क्रम में सीजेपी ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकालने का आह्वान किया है। पार्टी का कहना है कि यह मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किया जाएगा तथा सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई
ड्रग्स तस्कर, उग्रवादी और रंगदारी वसूलने के आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर में बीते 24 घंटे में सुरक्षा बलों ने विभिन्न जिलों में लगातार अभियान चलाकर ड्रग्स तस्करों, उग्रवादियों और रंगदारी वसूलने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान भारी मात्रा में मादक पदार्थ, हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए।

'वार ऑन ड्रग्स' अभियान के तहत 18 जुलाई को सुरक्षा बलों ने खुमान लम्पाक क्षेत्र से मोहम्मद युसुब उर्फ काकी उर्फ जाकिर (41) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से लगभग 6.2 किलोग्राम क्रिस्टल मेथामफेटामाइन (आइस ड्रग्स) के छह पैकेट और एक टीवीएस जुपिटर स्कूटर बरामद किया गया।

इसी दिन इंफाल पूर्व जिले के हेंगांग थाना क्षेत्र से यूआरएफ (यूनाइटेड रिवोल्यूशनरी फ्रंट) के सक्रिय उग्रवादी मोहम्मद लेहिमुद्दीन उर्फ यांगबा (37) को भी गिरफ्तार किया गया। चुराचांदपुर जिले के थिंगकांगफाई गांव में सुरक्षा बलों ने एक बोलेरो वाहन की तलाशी के दौरान ब्राउन शुगर होने के संदेह वाले 81 साबुनदानी पैकेट बरामद किए।

वाहन चालक मंगखानथांग किपगेन (33) को गिरफ्तार किया गया। वह डीआरआई के कई एनडीपीएस मामलों में वांछित बताया जा रहा है।

छह नगा व्यक्तियों के अपहरण और हत्या के मामले की जांच के दौरान एनआईए, मणिपुर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने लुंगौलाल वैफेई और लुनमिनथांग सितल्हो उर्फ जैक को गिरफ्तार किया। मामले से जुड़े अन्य आरोपितों की तलाश जारी है।

कांगपोकपी जिले के कोटलेन स्थित जीरो प्वाइंट क्षेत्र से सुरक्षा बलों ने हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया। बरामद सामान में एक .22 राइफल, 15 सिंगल बैरल राइफलें, तीन 9 एमएम पिस्तौल, एक .22 पिस्तौल, पांच इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, 107 जीवित कारतूस, 205 खाली कारतूस, चार मोटोरोला बैटरियां और एक पीईके शामिल हैं।

पुलिस पर हमला कर भागने की कोशिश में हिस्ट्रीशीटर करुप्पु के पैर में लगी गोली, गिरफ्तार

एजेंसी, चेन्नई

चेन्नई पुलिस ने 19 आपराधिक मामलों में वांछित 'ए' श्रेणी के हिस्ट्रीशीटर करुप्पु उर्फ तमिल अलगु को पुलिस पर हमला कर फरार होने की कोशिश के दौरान पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से देसी बम बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी बरामद की गई है। घटना के दौरान एक मुख्य आरक्षक भी घायल हो गया, जिसका उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

पुलिस के अनुसार, चेन्नई के कुंद्रथुर के निकट तिरुमुडिवाक्कम क्षेत्र निवासी करुप्पु उर्फ तमिल अलगु लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय है। उसके खिलाफ दो हत्या के मामलों सहित कुल 19 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह पुलिस की 'ए' श्रेणी के हिस्ट्रीशीटरों की सूची में शामिल है। करुप्पु पर रंगदारी मांगने, लोगों को धमकाने, अवैध कट्टा पंचायत चलाने, जान से मारने की धमकी देने

और अन्य गंभीर अपराधों में संलिप्त रहने के आरोप हैं।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुंद्रथुर क्षेत्र में एक निजी कॉलेज के पीछे स्थित खाली मैदान में करुप्पु गांजा बेच रहा है। सूचना के आधार पर तिरुमुडिवाक्कम पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर आरोपित को पकड़ने का प्रयास किया।

छापेमारी के दौरान पुलिस को पता चला कि करुप्पु अपने साथी ओटेरी निवासी आकाश उर्फ सूर्या के साथ मिलकर देसी बम तैयार कर रहा था। पुलिस टीम को देखते ही करुप्पु ने कथित तौर पर तैयार किए गए देसी बम पुलिसकर्मियों की ओर फेंकने का प्रयास किया और मौके से भागने की कोशिश की।

मप्र के पन्ना में 'चिता आंदोलन' पर पुलिस की कार्रवाई, 300 आंदोलनकारी हिरासत में

एजेंसी, भोपाल/पन्ना

मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में चल रहे सिंचाई परियोजनाओं में भ्रष्टाचार और पुनर्वास के मुद्दों को लेकर 'चिता आंदोलन' के 17वें दिन रविवार तड़के पुलिस ने आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमित भटनागर सहित लगभग 300 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। दरअसल, प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट और अन्य सिंचाई परियोजनाओं के विरोध में बीते 16 दिनों से चिता आंदोलन चल रहा है। आज 17वें दिन पन्ना और छतरपुर जिले की सीमा पर कुपी गांव के पास बनाला नदी पर निर्माणाधीन पुल के निकट चल रहे चिता आंदोलन के मंच को रविवार तड़के पुलिस और प्रशासन ने घेर लिया। सुबह करीब 5 बजे भारी पुलिस बल ने पूरे आंदोलन स्थल की घेराबंदी कर दी और वहां सो रहे प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेना शुरू कर दिया।

आंदोलनकारियों का दावा है कि पुलिस ने बर्बरतापूर्वक कार्रवाई करते हुए 250 से 300 लोगों को हिरासत में लेकर गाड़ियों में भर लिया। बताया गया कि पिछले 14 दिनों से बिना

अन्न-जल के आमरण अनशन पर बैठे अमित भटनागर की हालत बिगड़ने के कारण पुलिस उन्हें मेडिकल जांच के लिए अपने साथ ले गई, लेकिन उन्हें किस अस्पताल या स्थान पर रखा गया है। फिलहाल इसकी जानकारी प्रशासन ने नहीं दी है।

आंदोलन से जुड़ीं विजावर नगर परिषद की पार्षद और एलएलबी की छात्रा दिव्या अहिरवार ने एक वीडियो संदेश जारी कर पुलिस कार्रवाई पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। दिव्या का आरोप है कि अमित भटनागर रविवार दोपहर को सिंचाई परियोजनाओं में हुए भ्रष्टाचार से जुड़े अहम सरकारी दस्तावेज सार्वजनिक करने वाले थे,

◆ 14 दिन से आमरण अनशन पर बैठे भटनागर सहित तीन सौ लोग हिरासत में

जिससे घबराकर प्रशासन ने सुबह तड़के यह दमनकारी कदम उठाया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक तरीके से हो रहे शांतिपूर्ण विरोध को कुचलने का प्रयास बताया है।

भटनागर का आरोप है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना, मझगांव डैम, रुंझ, नैगुवां और एनटीपीसी से जुड़ी विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं में अधिकारियों और दलालों की मिलीभगत से 400 करोड़ रुपये से अधिक का बड़ा घोटाला हुआ है। फर्जी ग्राम सभाएं आयोजित कर अपात्रों को करोड़ों का मुआवजा बांट दिया गया, जबकि 50 हजार से अधिक वास्तविक पात्र विस्थापित आज भी अपने अधिकारों के लिए दर-दर भटक रहे हैं। दूसरी ओर छतरपुर और पन्ना जिला प्रशासन ने इस कार्रवाई को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी बताया है।

प्रत्येक सैन्य अभियान भविष्य के लिए नई सीखः पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे

एजेंसी, कोलकाता

राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक मजबूती को भारत के भविष्य की दो सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला बताते हुए पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने अपनी सामरिक क्षमता में उल्लेखनीय प्रगति की है लेकिन भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए रक्षा तैयारियों को लगातार और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख कर कहा कि प्रत्येक सैन्य अभियान भविष्य के लिए नई सीख देता है।

कोलकाता के फेयरफील्ड बाय मैरियट में व्याना जियो-इकोनॉमिक फोरम (वीजीईएफ) की ओर से रविवार देर शाम आयोजित उद्घाटन राष्ट्रीय सेमिनार "उभरती वैश्विक व्यवस्था में राष्ट्रीय सुरक्षा और

आर्थिक लचीलापन : विकसित भारत की सामरिक प्राथमिकताएं" विषय पर देश के प्रमुख सैन्य अधिकारियों, रणनीतिक विशेषज्ञों, अर्थशास्त्रियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और पूंजी बाजार से जुड़े विशेषज्ञों ने विस्तार से विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में पूर्वी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह, ब्रिगेडियर आदित्य सहाय

कोलकाता में आयोजित सेमिनार में पूर्व सेना प्रमुख ने सैन्य आधुनिकीकरण और तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर दिया जोर

सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, पूर्व सैनिक, उद्योगपति और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

सेमिनार के समापन सत्र में जनरल मनोज पांडे ने कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, साइबर युद्ध, अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणाली और अत्याधुनिक हथियारों ने युद्ध की पूरी प्रकृति बदल दी है। ऐसे समय में केवल पारंपरिक सैन्य ताकत पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि नई तकनीकों को तेजी से अपनाना और उन्हें सैन्य अभियानों का हिस्सा बनाना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्ध बहुआयामी होंगे, जिनमें जमीन, समुद्र और वायु के साथ-साथ साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्र भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसलिए भारतीय सशस्त्र बलों को इन सभी क्षेत्रों में एकीकृत क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि सैनिकों के प्रशिक्षण, आधुनिक हथियारों की उपलब्धता, तकनीकी दक्षता और तेज निर्णय लेने की क्षमता पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि किसी भी चुनौती का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके। पूर्व सेना प्रमुख ने कहा कि आधुनिक युद्ध में तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है लेकिन एक सैनिक की सबसे बड़ी ताकत आज भी उसका अनुशासन, राष्ट्र के प्रति समर्पण, ईमानदारी, साहस और कर्तव्यनिष्ठा है।

एएचआईडीएफ ऋण स्वीकृति के नाम पर रिश्वत मांगने वाला फर्जी अधिकारी सीबीआई के हत्थे चढ़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग, कृषि भवन का अधिकारी बनकर पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (एएचआईडीएफ) के तहत ऋण स्वीकृत कराने के नाम पर रिश्वत मांगने वाले आरोपित प्रभु दयाल को उत्तर प्रदेश के आगरा जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपित स्वयं को 'ऋषि गुप्ता' बताकर ऋण आवेदकों से आवेदन स्वीकृत कराने अथवा निरस्त होने से बचाने के नाम पर वसूली करता था। सीबीआई के अनुसार, इस मामले में 29 जून को देहरादून स्थित भ्रष्टाचार निरोधक शाखा में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले की काशीपुर तहसील के लालपुर गांव का निवासी है और पोल्ट्री फार्म संचालित करता है। उसने उद्यमी मित्र (सिडबी) पोर्टल के माध्यम से एएचआईडीएफ योजना के तहत 22.50 लाख रुपये

के ऋण के लिए आवेदन किया था।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि खुद को पशुपालन एवं डेयरी विभाग का अधिकारी बताने वाले व्यक्ति ने ऋण स्वीकृत कराने के एवज में ऋण राशि का दो प्रतिशत, यानी 45 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायत के सत्यापन के बाद सीबीआई ने 29 जून को जाल बिछाया। आरोपित ने शिकायतकर्ता को मोबाइल पर क्यूआर कोड भेजकर रिश्वत की पहली किस्त के रूप में पांच हजार रुपये यूपीआई के माध्यम से मंगवाए। क्यूआर कोड और बैंक खाते के आधार पर सीबीआई ने 30 जून को एक व्यक्ति को उसके घर से गिरफ्तार किया। हालांकि पूछताछ में स्पष्ट हुआ कि वह मुख्य आरोपित नहीं था।

मायावती ने संसद के मानसून सत्र के हंगामेदार होने की जताई आशंका

एजेंसी, वाराणसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने संसद के मानसून सत्र के हंगामेदार रहने की आशंका जताते हुए कहा कि राम मंदिर चढ़ावा समेत कई अहम मुद्दे सदन में उठेंगे, जिन पर पूरे देश की नजर रहेगी। उन्होंने सभी दलों से संसद का मानसून सत्र बिना किसी उत्तेजना, रोष और विद्वेष के शांतिपूर्ण एवं सुचारू ढंग से चलाने की जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है।

मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर सात पॉइंट में लंबा पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि अब जबकि संसद का मानसून सत्र कल 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। एक बार फिर यह देश व आमजन की चिन्ता है कि क्या इस बार भी फिर से संसद का सत्र हंगामा व स्थगन आदि की भेंट चढ़ जायेगा या फिर

महंगाई, बेरोजगारी, महिला असुरक्षा, महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपरलीक आदि से जुड़े देश के ज्वलन्त मुद्दों से उत्पन्न माहौल को शान्त करने व इनके संतोषजनक समाधान के लिए गंभीरता दिखाई जायेगी।

मायावती ने आगे लिखा कि अयोध्या श्रीराम मन्दिर में चढ़ावा हेराफेरी व गबन आदि को लेकर व्यापक जन आक्रोश ने उप्र व देश को झकझोर कर रख दिया है। लोग जवाबदेही मांग रहे हैं, जिसकी गूंज सड़कों से लेकर अदालत तक में है और संसद में भी यह मुद्दा जरूर गर्म होगा।

काशी भारत की सनातन चेतना का शाश्वत प्रकाश, यहाँ कण-कण में शिव का वास : रेखा गुप्ता

अपने जन्मदिन पर दिल्ली की मुख्यमंत्री ने बाबा विश्वनाथ और काल भैरव के दरबार में लगाईं हाजिरी

एजेंसी, वाराणसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने जन्मदिन पर रविवार को यहां काशी पुराधिपति बाबा विश्वनाथ और काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव के दरबार में परिजनों के साथ विधिवत हाजिरी लगाईं। दो दिवसीय काशी प्रवास पर आईं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दोनों मंदिरों में विधि विधान से दर्शन पूजन के बाद दिल्ली सहित पूरे देश में सुख समृद्धि की कामना कीं।

काशी के दोनों मंदिरों में दर्शन पूजन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने अधिकृत सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि आज, अपने जन्मदिन पर, मुझे शाश्वत, अविनाशी और मोक्ष प्रदान करने

वाली काशी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ और काशी के कोतवाल श्री काल भैरव के पवित्र चरणों में दर्शन और पूजा करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। काशी भारत की सनातन चेतना का शाश्वत प्रकाश है। यहाँ कण-कण में शिव का वास है, हर श्वास में भक्ति है और हर कदम पर आध्यात्मिकता का स्पंदन महसूस होता है। बाबा विश्वनाथ की कृपा और काल भैरव जी का संरक्षण अनादि काल से इस पवित्र भूमि और इसके भक्तों की शक्ति रहे हैं। मैं बाबा विश्वनाथ और श्री काल भैरव जी से प्रार्थना करता हूँ कि वे सभी पर अपनी असीम कृपा बनाए रखें, सबको सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली का आशीर्वाद दें, और भारत निरंतर वैभव, गौरव और नई उपलब्धियों के शिखर को छूता रहे।

इसके पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के जन्मदिन पर वाराणसी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बधाई दी है। उन्होंने अपने अधिकृत सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि "दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जन्मदिन की शुभकामनाएं। दिल्ली के विकास को बढ़ावा देने और लोगों के लिए 'जीवन को आसान बनाने' की दिशा में उनके प्रयास सराहनीय हैं। उनके लंबे जीवन और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।"

19-07-2026 T.P. Page 8_Layout 1 20-07-2026 08:45 Page 1

कद्दूवर्गीय सब्जियों में समन्वित कीट एवं रोग प्रबंधन

इस वर्ग की सब्जियों में लगने वाले प्रमुख कीट व रोग तथा उनका प्रबंधन निम्न प्रकार से है।

कद्दूवर्गीय सब्जियों के प्रमुख कीटः

लालभृंग

यह चमकीले लाल रंग का कीट पौधे की पत्तियों को विशेषकर प्रारम्भिक अवस्था में खाकर छलनी जैसा बना देता है। ग्रसित पत्तियाँ फट जाती हैं तथा पौधों की बढ़वार रूक जाती है।

नियंत्रणः

इस कीट द्वारा होने वाले नुकसान से बचने हेतु फसल की बुवाई नवम्बर में करें। खरपतवारों को नष्ट कर खेत को स्वच्छ रखें । मैलाथियान 5 प्रतिशत दवा 20-25 किग्रा प्रति हेक्टर भूमि में मिलायें। इसके लिए कार्बोरिल 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव प्रभावी रहता है।

कटवर्म

यह कीट नन्हें या उगने वाले पौधों के बीज पत्रों तथा पौधों के शीर्ष को काट देते हैं जिससे खेत में पौधों की संख्या कम हो जाती है।

नियंत्रणः

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई कर कीट की निष्क्रिय अवस्थाओं को नष्ट कर दें। इसके नियंत्रण के लिए बीजों की बुवाई के समय या पौध रोपाई के समय कार्बोफ्यूरॉन 3 जी 25 किग्रा. प्रति हेक्टेयर के हिसाब से भूमि में मिलायें ।

ब्लीस्टर बीटल

यह आकर्षक चमकीले रंग तथा बड़े आकार का भृंग है। इसके पंखों पर तीन काले व तीन पीले रंग की पट्टियाँ होती हैं। यह पुष्पीय कलियों व फूलों को खाकर नष्ट कर देते हैं।

नियंत्रणः

खेत में इनकी संख्या कम होने पर इन्हें हाथ से पकड़कर नष्ट कर देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर 0.2 प्रतिशत कार्बोरिल का छिड़काव करें।

लीफमाइनर

यह पत्तियों के ऊपरी भाग पर टेढे-मेढ़े भूरे रंग की सुरंग बना देते हैं।

नियंत्रण

इसके नियंत्रण हेतु नीम के बीजों का सत 5 प्रतिशत या ट्रायोफॉस 0.5 प्रतिशत का तीन सप्ताह के अंतराल पर छिड़काव करें।

फलमक्खी

यह कद्दूवर्गीय सब्जी फसलों में फल पर आक्रमण करने वाला कीट है। इसके मैगट छोटे फलों में अधिक नुकसान करते हैं। इसके मैगट पर सीधा नियंत्रण संभव नहीं है परन्तु वयस्क नर मक्खियों की संख्या पर नियंत्रण करने इनके प्रकोप को कम किया जा सकता है।

नियंत्रणः

इसके नियंत्रण हेतु रात के समय खेत में प्रकाश पाश लगायें तथा नर वयस्कों को फेरोमेन ट्रेप लगाकर नियंत्रित करें। थायोडॉन को 6 मिली प्रति लीटर 4-5 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। कीट की निगरानी हेतु फसल में गंध पाश 2 प्रति एकड़ जमीन आवश्यकता अनुसार लगायें।

चैंपा

ये छोटे आकार के काले एवं गहरे हरे रंग के कीट होते हैं। ये कोमल पत्तियों व पुष्पकलिकाओं का रस चूसते हैं। यह कीट वायरस जनित बीमारियों के वाहक का कार्य करता है।

नियंत्रणः

इसके नियंत्रण हेतु डाइमिथिएट या फॉस्फोमिडॉन 0.5 प्रतिशत के घोल का 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें।

लाल मकड़ी

यह कीट भूरा, हल्का लाल रंग का होता है। जो पत्तियों की निचली सतह पर उत्तकों को खाकर जालीनुमा बना देता हैं। पर्णहरित के अभाव में प्रकाश संश्लेषण कम होता है। फलस्वरूप उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

नियंत्रणः

लाल मकड़ी के नियंत्रण हेतु डाईकोफॉल 18.5 ईसी. 2.5 मिली दवा प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

जड़ गांठ सूत्रकृमि

यह पौधों की जड़ों को नुकसान पहुंचाता है। प्रभावित पौधा कमजोर होकर पीला पड़ जाता है तथा पौधे का विकास अवरूद्ध होकर फलन नहीं हो पाता है।

नियंत्रणः

लम्बे समय तक फसल चक्र अपनायें। मई-जून माह में खेत की गहरी जुताई कर खुला छोड़ दें। नेमागॉन अथवा कार्बोफ्यूरॉन 3जी 25 किग्रा प्रति हेक्टर बुवाई पूर्व भूमि में मिला दें।

फ्यूजेरियम उखटा

यह रोग एक मृदा जनित फफूंद फ्यूजेरियम स्पीसीज से होता है। इससे प्रभावित पौधा मुरझाकर सूख जाता है। पौधे की जड़ें व भीतरी भाग भूरा हो जाता है तथा पौधे की वृद्धि रूक जाती है। स्पष्ट लक्षण फूल आने व फल बनने की अवस्था में दिखाई देते हैं।

रोकथामः

- रोगरोधी किस्मों की बुवाई करें।
- भूमि सौर्यीकरण करने पर भी बीमारी को कम कर सकते हैं।
- बुवाई से पूर्व बीज के बाविस्टीन (1-2 किग्रा) से उपचारित करें तथा बीमारी आने के बाद ड्रेंचिंग भी करें।

श्यामवर्ण (एन्थ्रेक्नोज)

यह रोग एक प्रकार की फफूंद कोलेटोट्राईकम लेजीनेरम से होता है। यह रोग तरबूजा, कद्दू में अधिक होता है जबकि पेठा में भी यह रोग अधिक होता है। यह रोग गर्म व आर्द्र मौसम में अधिक फैलता है तथा पौधे की किसी भी वृद्धि अवस्था में आ सकता है। पुरानी पत्तियों पर छोटे जलयुक्त या पीले धब्बे बनते है। ये धब्बे कोणीय अथवा गोलाकार हो सकते है बाद में ये आपस में मिल जाते है तथा सूख जाते है। पत्ती का यह सूखा भाग झड़ जाता है। खीरा, खरबूजा, लौकी की पत्तियों पर कोणीय या खुरदरे गोल धब्बे दिखाई देते हैं जो पत्ती के बड़े भाग या पूरी पत्ती को झुलसा देते हैं।

रोकथामः

- कद्दूवर्गीय जंगली पौधों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
- बीज को थाइरम या बाविस्टीन 2 ग्राम प्रतिकिग्रा बीज से उपचारित करके बोयें।
- मैंकोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से सात दिन के अंतराल पर दो बार छिड़कें।

चूर्णिल आसिताः

इस रोग में पत्ती की ऊपरी सतह पर सफेद या धुधंले धूसर रंग के छोटे-छोटे धब्बे बनते हैं। जो बाद में पूरी पत्ती पर फैल जाते हैं। पत्तियों व फलों का आकार छोटा व विकृत हो जाता है व पौधों की पत्तियां असमय गिर जाती हैं।

रोकथामः

- रोगग्रसित पादप अवशेषों को नष्ट कर दें।
- रोग की प्रारम्भिक अवस्था में कैराथेन 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

पत्ती झुलसाः

सर्वप्रथम पत्ती पर हल्के भूरे रंग के धब्बे दिखाई देते हैं जो बाद में गहरे रंग के व आकार में बड़े हो जोते हैं। पत्तियों पर धब्बे केन्द्रीयकृत गोलाकार में बनते हैं। जिससे पत्तियाँ झुलसी हुई दिखाई देती हैं।

रोकथामः

- स्वस्थ बीज प्रयोग करें।
- फसल चक्र अपनायें।
- फसल पर इंडोफिल एम-45, 2-3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से 10-15 दिन के अंतराल में छिड़काव करें।

कुकुम्बर मोजेक

पौधे छोटे रह जाते हैं। तथा ग्रसित पौधों की नयी पत्तियाँ छोटी आकार की तथा पीले रंग के धब्बे दिखाई देते हैं। पत्तियाँ सिकुड़कर मुड़ जाती हैं। तथा पीले रंग का मोजेक क्रम दिखाई देता है। जिन्हें क्लारोटिक पेचेंज कहते हैं। कुछ फूल गुच्छे में दिखाई देते हैं। फल छोटे व विकृत हो जाते हैं या फलन बिल्कुल नहीं होता है।

रोकथामः

- उपचारित बीज ही बुवाई हेतु प्रयोग करें।
- रोगग्रस्त पौधों व जंगली खरपतवारों को उखाड़कर जला दें।
- इमिडाक्लोप्रिड (3-5 मि.ली./15 लीटर पानी) दवा का एक सप्ताह के अंतराल पर खड़ी फसल पर दो बार छिड़काव करें जिससे वाहक नष्ट हो जायें।

मृदुरोमिल आसिता

इस रोग में पत्ती की ऊपरी सतह पर हल्के कोणीय धब्बे दिखाई देते है तथा पत्ती की निचली सतह पर मृदुरोमिल फफूंद बैंगनी रंग की दिखाई देती है। फल आकार में छोटे हो जाते हैं तथा रोगी पौधे के पीले धब्बे जल्द ही लाल भूरे रंग के हो जाते हैं।

रोकथामः

- रोग रोधी किस्मों की बुवाई करें।
- फसल पकने के बाद फसल अवशेषों को जला दें।
- खड़ी फसल पर मैंकोजेब 0.2 प्रतिशत की दर से छिड़काव करें।

कलिका उत्तकक्षयः

पत्तियों की शिराओं पर नेक्रोसिस धारियां बन जाती हैं। पर्व छोटे रह जाते हैं। उत्तकक्षय हो जाने से कलिका सूख जाती है। धीरे-धीरे कलिका वाली पूरी शाखा सूखने लगती है। पत्तियाँ सिकुड़कर पीली पड़ जाती है।

रोकथामः

- रोगग्रस्त पादपों को उखाड़कर जला दें।
- स्वस्थ बीजों को बोयें।
- इमिडाक्लाप्रिड 3-5 मिली. प्रति 15 लीटर पानी की दर से दो बार छिड़काव करें।
- खेत के चारों ओर बाजरा की फसल उगायें इससे रोग कम आता है।

आया ग्रीष्मकालीन मक्का का समय

> उन्नत किस्मों के प्रयोग एवं उच्च बुवाई सिंचाई विधि में बदलाव करके मक्के का अधिक उत्पादन लिया जा सकता है। मक्का का उत्पादन भारत में वर्षभर तीन मौसम (खरीफ, रबी, एवं ग्रीष्म) में लिया जाता है। इसका 80 प्रतिशत क्षेत्रफल खरीफमें रहता है परंतु इसे अन्य मौसमों में भी उचित तकनीकों का उपयोग करके सफलतापूर्वक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। जिन किसानों के खेत दिसंबर-जनवरी माह में खाली रहते हैं वह मक्के के रोपे भी नर्सरी उगाकर तैयार कर सकते हैं।

सामान्यतः मक्के की एक हेक्टेयर नर्सरी तैयार करने के लिए 700 वर्ग मीटर एरिया जरुरी है। नर्सरी 30-40 दिन की होने पर खेत में रोपाई की जा सकती हैं। मक्के के लिए महीन (मृतिका) दोमट और

काली मृदाएं उपयुक्त होती हैं। ऐसी मृदाएं जिनका की कार्बनिक पदार्थ उच्च हो और पी.एच. मान 5.5 से 7.0 तक हो मक्के के अच्छे उत्पादन के लिए श्रेष्ठ रहता है। ग्रीष्मकालीन मक्के या सामान्य मक्के की बीज दर, बीज के आकार, पौधे के प्रकार, मौसम और बोने के तरीके पर निर्भर करता है- सामान्यतः जो नीचे तालिका में दर्शाया गया हैं:-

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

उर्वरकों का प्रबंधन सामान्यतः मृदा के पोषण तत्व स्तर और फसल प्रणाली पर निर्भर करता हैं। सामान्यतः बुवाई से 10-15 दिन पूर्व 8-10 टन गोबर खाद (एफ वाय. एम.) दे देना चाहिए। मक्के को 150 कि.ग्रा. नाइट्रोजन, 70-80 कि.ग्रा. फास्फोरस और 50-60 कि.ग्रा. पोटाश, 25 कि.ग्रा. जिंक प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता संपूर्ण वृद्धि काल तक रहती है। बुवाई के समय नाइट्रोजन की 20 प्रतिशत मात्रा, पूर्ण फास्फोरस और पूर्ण पोटाश एवं जिंक की मात्रा दे देनी चाहिए, नाइट्रोजन को पाँच विभिन्न भागों में मात्रा में अलग-अलग समय पर दें। ऐसा करने का उद्देश्य उसकी उपयोग क्षमता को बढ़ाना है।

सामान्यतः नी हाई अवस्था बुवाई के 35-36 दिन बाद आती है एवं टॉसेल से सिंलकिंग (पुष्पन) अवस्था 45-60 दिन के बीच आती है। इन अवस्थाओं पर सिंचाई देना अति महत्वपूर्ण है, गर्मियों में सूर्यप्रकाश भी दूसरे दिनों की तुलना में अधिक होता है, इस कारण वाष्पोत्सर्जन की क्रिया भी अधिक होती है, इस कारण फसल जल की माँग पूर्ति करना एक चुनौती है। इस समस्या से हम ड्रिप सिंचाई (टपक विधि) और मल्च का प्रयोग करके निजात पा सकते हैं। मक्के में हम ड्रिप विधि के माध्यम से सीधे फसल की वाष्पीकरण माँग के आधार पर सीधे पौधे के जड़ क्षेत्र में पानी दे सकते हैं और मृदा में नमी का न्यूनतम स्तर तक प्रबंध कर सकते हैं।

मक्के के लिए हम 2 लीटर प्रति घंटे स्त्राव वाली इन लाईन ड्रिप का प्रयोग करेंगे एवं 2 कतारों के बीच में एक लेटरल बिछाएंगे एवं फसल की जल माँग के आधार पर जल प्रबंधन करेंगे। सामान्यतः 45-60 सेंटीमीटर जल माँग पूर्ति के लिए 1 घंटे से 90 मिनट हर दूसरे दिन जल प्रबंधन पर्याप्त है। ड्रिप सिंचाई के माध्यम से हम 60-70 प्रतिशत तक जल की बचत कर सकते हैं और 20-25 प्रतिशत तक अधिक उत्पादन ले सकते हैं। ड्रिप के साथ मल्च का प्रयोग ग्रीष्मकालीन अधिक वाष्पोत्सर्जन होने से बचायेगा और साथ में खरपतवार प्रबंधन में भी सहायता करेगा। मक्के में ड्रिप सिंचाई विधि और मल्च का प्रयोग करने के लिए हमें रेज्ड बेड तकनीक का प्रयोग करना चाहिए। इन सब तकनीकों का सफलतापूर्वक प्रयोग कर हम अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं।

जल प्रबंधन

ग्रीष्मकाल में उन जगहों पर जहाँ पर्याप्त जल नहीं हैं, वहाँ पर मक्के में पर्याप्त मात्रा में पानी देना अपने आप में एक चुनौती हैं। क्योंकि मक्के को संपूर्ण जीवनकाल में 40-60 से.मी. जल की आवश्यकता होती है। मक्के के ऊपर किए गए शोध में ऐसा पाया गया है, कि यदि मक्के की फसल को नी-हाई अवस्था एवं टॉसेल से लेकर सिंलकिंग अवस्था (पुष्पन) में सिंचाई न दी जाए तो 30-40 प्रतिशत तक उत्पादन में हानि हो सकती हैं।

मक्के को निम्नलिखित अवस्थाओं पर जल देना अतिआवश्यक है:-

अवस्था/चरण	सिंचाई दिन
अंकुरण, स्थापन एवं	प्रथम सिंचाई 12वें दिन
वानस्पतिक अवस्था	द्वितीय सिंचाई 25वें दिन
(1-39 दिन तक)	तृतीय सिंचाई 36वें दिन
पुष्पन अवस्था	प्रथम सिंचाई 48वें दिन
(40-65 दिन तक)	द्वितीय सिंचाई 60वें दिन
परिपक्व अवस्था	प्रथम सिंचाई 72वें दिन
(66-95 दिन तक)	

नाइट्रोजन का छिडकाव/उपयोग कुछ इस प्रकार करें:-

फसल अवस्था	नाइट्रोजन दर (त्न)
बुवाई के समय (आधार)	20
4 पत्ती अवस्था	25
8 पत्ती अवस्था	30
टॉसेल (नर पुष्पन)	20
बीज भरते समय	5
कुल	100(त्न)